लखनऊ

शुक्रवार, 25 जुलाई, 2025

वर्ष : 11 । अंक: 16

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

UPHIN/2014/57034

प्रत्येक व्यक्ति के लिए यह याद रखना बेहतर होगा कि सभी सफल व्यवसाय नैतिकता की नींव पर आधारित होते हैं। - हैनरी वार्ड बीचर

TODAY WEATHER

DAY	NIGHT
37°	26°
Hi	Low

संक्षेप

कबाड़ कारोबारी की हत्या, दुकान के बाहर मारी गई गोली

मुजफ्फरपुर। बिहार के मुजफ्फरपुर सदर थाना क्षेत्र के मझौलिया में एक कबाड़ कारोबारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इसके बाद इलाके में तनाव व्याप्त है। मृतक की पहचान कारोबारी मोहम्मद गुलाब (45) के तौर पर हुई है। बुधवार रात करीब 8 बजे अपराधियों ने वारदात को अंजाम दिया। अपराधियों ने उनके सिर, गर्दन और सीने में तीन गोलियां मारीं। बताया जा रहा है कि यह घटना तब हुई जब कारोबारी अपनी दुकान बंद कर स्कूटी पर बैठ रहे थे। इलाके में हुए इस वारदात के बाद मौके पर भारी संख्या में स्थानीय लोग पहुंचे। आनन-फानन में गुलाब को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद आक्रोशित भीड़ ने सड़क जाम कर दिया और आरोपी पंचायत समिति सदस्य तुफैल अहमद के घर पर हमला बोलकर दो कारों और एक बाइक में आग लगा दी। भीड़ ने तुफैल के घर में भी आग लगाने की कोशिश की। इधर, मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति बेकाबू होते देख हल्का बल प्रयोग कर प्रदर्शनकारियों को खदेड़ा। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों की ओर से अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई के आश्वासन पर जाम को समाप्त कराया गया। हत्या के पीछे जमीन विवाद और दो दिन पहले मस्जिद में बच्चों के बीच हुए झगड़े को कारण बताया जा रहा है, जिसमें गुलाब को धमकी दी गई थी।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी श्रद्धा का संगम बन रही है अमरनाथ यात्रा, बड़ी संख्या में आ रहे हैं विदेशी युवा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की आध्यात्मिक धरोहर और धार्मिक आस्था का एक अनूठा उदाहरण है अमरनाथ यात्रा, जो न केवल देश के कोने-कोने से आने वाले श्रद्धालुओं को आकर्षित करती है, बल्कि अब यह विदेशों से आने वाले आस्थावान पर्यटकों और आध्यात्मिक जिज्ञासुओं को भी अपनी ओर खींच रही है। हम आपको बता दें कि अमेरिका और जर्मनी तथा अन्य कुछ देशों से आए 9 विदेशी युवाओं के एक समूह ने इस पवित्र यात्रा में भाग लिया, जो भारतीय आध्यात्मिकता की वैश्विक स्वीकार्यता का प्रमाण है। पश्चिमी देशों से आए युवा पर्यटक किसी पर्यटन एजेंसी द्वारा प्रेरित होकर नहीं, बल्कि अपनी अंतरात्मा की आवाज़ और भारतीय आध्यात्मिकता के प्रति आकर्षण से खींचे चले आए। ये युवा अमरनाथ की कठिन यात्रा, बर्फीली पहाड़ियों और ऊँचाई पर स्थित पवित्र गुफा तक पहुंचने के लिए मानसिक और आध्यात्मिक रूप से भी पूरी तरह समर्पित दिखाई दिये। इन विदेशी श्रद्धालुओं के अनुसार, अमरनाथ यात्रा केवल एक धार्मिक प्रक्रिया नहीं बल्कि आत्म-खोज की एक यात्रा है, जो उन्हें जीवन के वास्तविक अर्थ के करीब ले जाती है। उनके लिए यह अनुभव भारतीय संस्कृति की गहराई, हिंदू धर्म की उदारता और योग-साधना की शक्ति को समझने का एक माध्यम भी है। देखा जाये तो विदेशी श्रद्धालुओं की भागीदारी केवल पर्यटन या व्यक्तिगत अध्यात्म का विषय नहीं है; यह भारत की सांस्कृतिक कूटनीति और सॉफ्ट पावर का भी विस्तार है। जब अमेरिका और यूरोप जैसे क्षेत्रों के युवा भारत की धार्मिक परंपराओं में रुचि लेते हैं, तो यह वैश्विक मंच पर भारत की सांस्कृतिक पहचान को और मजबूत करता है।

'तख्तियां-नारेबाजी कांग्रेस के संस्कार नहीं'

नई दिल्ली, एजेंसी। विपक्ष बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण के मुद्दे पर विरोध कर रहा है। संसद के मानसून सत्र में भी इस मुद्दे पर खूब हंगामा हो रहा है। गुरुवार को भी कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी दलों ने संसद की कार्यवाही शुरू होते ही हंगामा किया तो इस पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला नाराज हो गए। उन्होंने कांग्रेस को नसीहत देते हुए कहा कि देश की सबसे पुरानी पार्टी के संस्कार ऐसे नहीं हैं। उन्होंने सांसदों से स्वस्थ चर्चा करने की अपील की।

दरअसल गुरुवार को संसद सत्र शुरू होते ही विपक्षी सांसदों ने नारेबाजी शुरू कर दी। प्रश्नकाल के दौरान जब केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी एक सवाल का जवाब दे रहे थे, तब भी विपक्षी सांसदों ने नारेबाजी जारी रखी। इससे लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला नाराज हो गए और उन्होंने कांग्रेस सांसदों से नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि 'प्रश्नकाल महत्वपूर्ण समय होता है, जिसमें जनता से जुड़े मुद्दों को उठाया जाता है। सरकार की जवाबदेही होती है। लेकिन सांसदों का व्यवहार संसद की गरिमा के अनुकूल नहीं है। आप देश की इतनी पुरानी राजनीतिक पार्टी के सदस्य हैं, जिनका इस सदन के अंदर मर्यादा और गरिमा का इतिहास रहा है, लेकिन आप सदन में नारेबाजी करते हैं, तख्तियां लेकर आते हैं और मेजें ठोकते हैं। यह दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। हम जिस तरह का व्यवहार करेंगे, उसका देश की लोकतांत्रिक संस्थाओं में क्या संदेश जाएगा?'

नई पीढ़ियां क्या सीखेंगी?

इसके बाद लोकसभा अध्यक्ष ने कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल का नाम लेकर कहा कि ये आपकी पार्टी के संस्कार नहीं हैं। आपको लोगों ने चुनकर भेजा है। अपनी आकांक्षाएं साझा करने की जिम्मेदारी दी है, लेकिन तख्तियां लेकर आने और नारेबाजी से सदन नहीं चलेगा। ओम बिरला ने कांग्रेस सांसदों को सलाह देते हुए कहा कि नई पीढ़ी आपको देख रही है।

बिहार एसआईआर मुद्दे पर विपक्ष का संसद के बाहर विरोध प्रदर्शन, सोनिया गांधी भी शामिल हुईं

नई दिल्ली, एजेंसी। मानसून सत्र के चौथा दिन की शुरुआत निचले सदन में भारी हंगामे के साथ हुई है। विपक्ष के सदस्य बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के विषय पर चर्चा के लिए अड़ गए। परिणामस्वरूप, लोकसभा की कार्यवाही लगातार बाधित रही। संसद में विपक्ष के हंगामे के कारण गुरुवार को प्रश्नकाल नहीं चल सका। स्पीकर ओम बिरला की तरफ से विपक्ष के सदस्यों को समझाने की कोशिश की गई। हंगामा बरकरार रहने पर लोकसभा स्पीकर ने कार्यवाही को स्थगित कर दिया। सदन की कार्यवाही स्थगित होने पर विपक्षी दलों के सदस्यों ने संसद के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। बैनर-पोस्टर लेकर विपक्षी दलों के सदस्य संसद परिसर के मकर द्वार पर एकजुट हुए और जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान एसआईआर मुद्दे पर नारेबाजी की गई। सोनिया गांधी भी इसमें शामिल हुईं। वहीं प्रियंका गांधी ने खतरे में लोकतंत्र लिखा पोस्टर लहराया। एसआईआर मुद्दे पर कांग्रेस सांसद राजीव शुक्ला ने कहा, हमारा मानना है कि अभी लड़ाई चल रही है और ये लड़ाई जारी रखनी चाहिए।

विपक्षी नेता को सदन में बोलने नहीं देते, प्रियंका गांधी वाड्रा का आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे को लेकर राजनीति थमने का नाम नहीं ले रही है। इस मुद्दे पर कांग्रेस सांसद और महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा का बयान आया है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब भी विपक्षी नेता सदन में बोलना चाहते हैं, तो उन्हें बोलने नहीं दिया जाता है।

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने गुरुवार को संसद परिसर में मीडिया से बात की और सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। प्रियंका गांधी ने कहा, जब भी विपक्षी नेता बोलना चाहते हैं, उन्हें बोलने नहीं दिया जाता। हम चर्चा की मांग करते रहे हैं और उन्हें इस पर सहमत होना चाहिए। पिछले सत्र में मुझे यह देखकर आश्चर्य हुआ था कि व्यवधान सत्ता पक्ष की ओर से शुरू होता है। वे कोई विषय चुनते थे, ताकि हम उस पर प्रतिक्रिया दें। फिर हंगामा होता है और सदन स्थगित हो जाता था। यह उनके लिए बिल्कुल सही है।

यह पहली बार नहीं है जब किसी विपक्षी नेता ने सरकार पर सदन में नहीं बोलने देने का आरोप लगाया है। इससे पहले, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि मैं विपक्ष का नेता हूं, लेकिन मुझे बोलने नहीं दिया जा रहा है।

जितनी निंदा की जाए कम, मस्जिद में अखिलेश यादव की बैठक पर बोले मौलाना तौकीर रजा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बरेली। संसद में मानसून सत्र के दौरान समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव की ओर से संसद भवन के पास स्थित मस्जिद में कथित तौर पर बैठक करने पर सियासी घमासान मचा हुआ है। मुस्लिम धर्मगुरु मौलाना तौकीर रजा ने कहा कि अगर मस्जिद के अंदर बैठक की गई है तो इसकी जितनी निंदा की जाए कम है। मस्जिद में किसी भी तरह की सियासत मंजूर नहीं है। सपा सांसद मोहिबुल्लाह नदवी, जो उस मस्जिद के इमाम भी हैं उन्हें भी ध्यान देना होगा कि मस्जिद इबादत की जगह है न कि वहां पर बैठकें आयोजित की जाए।

मुस्लिम धर्मगुरुओं के अलावा इस पूरे मामले में भाजपा समाजवादी पार्टी पर हमलावर है और अखिलेश यादव के खिलाफ पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करने की चेतावनी भी दी है। वहीं, सपा सांसद मोहिबुल्लाह नदवी के खिलाफ भी विरोध किया जा रहा है। इस पूरे मामले में हो रही सियासत के बीच कई मुस्लिम धर्मगुरुओं ने निंदा की है।

गुरुवार को बातचीत के दौरान मौलाना तौकीर रजा ने कहा कि मैंने इसके बारे में सुना है और कुछ तस्वीरें भी वायरल हुई हैं, लेकिन मुझे नहीं लगता कि मस्जिद के अंदर कोई बैठक हुई होगी। हो सकता है कि संसद से बाहर आने के बाद स्थानीय इमाम, जो सांसद भी हैं उन्होंने उन्हें चाय या जलपान के लिए रोका हो। वरना, जहां तक मस्जिद के अंदर बैठक की बात है, मेरा मानना है कि न तो इमाम इसकी इजाजत देंगे और न ही अखिलेश यादव इतने भोले हैं कि मस्जिद के अंदर बैठक करेंगे। हालांकि, उन्होंने मस्जिद के दुरुपयोग की कड़ी निंदा की और कहा कि अगर मस्जिद के अंदर बैठक की गई है तो इसकी जितनी निंदा की जाए कम है। यह गलत है और इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया है कि आजादी की लड़ाई के दौरान मस्जिदों का इस्तेमाल ऐतिहासिक रूप से अंग्रेजों के खिलाफ छिपकर मीटिंग के लिए हुआ था, लेकिन सियासत के लिए इसका उपयोग अस्वीकार्य है।

उन्होंने सांसदों को सतर्क रहने की सलाह दी ताकि मस्जिद के नियमों का उल्लंघन न हो। साथ ही, उन्होंने धर्मनिरपेक्षता और इंसानियत पर जोर देते हुए कहा कि टोपी पहनकर या हिंदू-मुसलमान के बीच नफरत फैलाने की कोशिश गलत है।

मुंबई ट्रेन ब्लास्ट मामले में हाईकोर्ट के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट की रोक, 12 दोषियों की रिहाई टली

नई दिल्ली, एजेंसी। 2006 के मुंबई सीरियल ट्रेन ब्लास्ट मामले में सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एक बड़ा फैसला सुनाते हुए सभी 12 दोषियों को बरी करने के बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी है। महाराष्ट्र सरकार और आतंकवाद निरोधी दस्ते द्वारा हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए शीर्ष अदालत ने यह अंतरिम रोक लगाई। इस फैसले के बाद अब दोषियों की जेल से रिहाई टल गई है।

11 जुलाई 2006 को मुंबई की लोकल ट्रेनों में हुए सात सिलसिलेवार बम धमाकों में 187 लोगों की जान चली गई थी और 800 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। इस मामले में लंबी सुनवाई के बाद 2015 में एक विशेष मकोका अदालत ने 12 लोगों को दोषी ठहराया था, जिनमें से 5 को मौत की सजा और 7 को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी।

लेकिन इसी हफ्ते 21 जुलाई को बॉम्बे हाईकोर्ट ने सबूतों के अभाव का हवाला देते हुए सभी 12 दोषियों को बरी कर दिया था। हाईकोर्ट ने कहा था कि अभियोजन पक्ष आरोपियों के खिलाफ मामला साबित करने में पूरी तरह विफल रहा है।

बॉम्बे हाईकोर्ट के इस फैसले के खिलाफ महाराष्ट्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। प्रधान न्यायाधीश बी.आर. गवई की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मामले पर तत्काल सुनवाई की मांग की थी, जिसे स्वीकार करते हुए अदालत ने गुरुवार को सुनवाई की।

सरकार ने अपनी याचिका में कहा कि हाईकोर्ट ने एक आरोपी से क्रष्ठङ्क की बरामदगी को बेहद 'तकनीकी आधार' पर खारिज कर दिया। दलील दी गई कि जब्त विस्फोटक को सुरक्षा कारणों से सील नहीं किया गया था, क्योंकि क्रष्ठङ्क अत्यधिक ज्वलनशील होता है। सरकार ने यह भी कहा कि मामले में वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा उचित प्रक्रिया का पालन करते हुए मंजूरी दी गई थी, जिसे हाईकोर्ट ने नजरअंदाज कर दिया। इन दलीलों को सुनने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगाते हुए सभी आरोपियों को बरी किए जाने के खिलाफ दायर अपील पर नोटिस जारी किया है।

एसआईआर पर एनएसयूआई का पटना में बवाल, पुलिस ने वाटर कैनन चलाए, कांग्रेस का केंद्र पर निशाना

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस से संबद्ध भारतीय राष्ट्रीय छात्र संघ (एनएसयूआई) के कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को चुनावी राज्य बिहार में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। इसके बाद, पटना में पुलिस द्वारा लगाए गए बैरिकेड्स हटाने की कोशिश करने पर कार्यकर्ताओं पर पानी की बौछारें की गईं और उन्हें हिरासत में ले लिया गया। विरोध प्रदर्शन में मौजूद कांग्रेस नेता शकील अहमद खान ने बढ़ती बेरोजगारी पर जवाब न दे पाने के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के नेतृत्व वाली राज्य सरकार की आलोचना की और कहा कि राज्य अराजकता और अराजकता की स्थिति में पहुँच गया है। कांग्रेस नेता ने एएनआई को बताया कि युवा नौकरी और रोज़गार की माँग कर रहे हैं और पलायन के ख़िलाफ़ हैं। बिहार में अराजकता और अराजकता का माहौल है। सरकार जवाब और स्पष्टीकरण देने में असमर्थ है, इसलिए अब कांग्रेस के पास विरोध प्रदर्शन के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है।'

घरेलू हिंसा मामले में सुप्रीमकोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

2 महीने तक नहीं होगी गिरफ्तारी, पहले परिवार कल्याण समिति को भेजा जाएगा मामला

नई दिल्ली, एजेंसी। घरेलू हिंसा और दहेज प्रताड़ना से जुड़े मामलों में सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। भारतीय दंड संहिता की धारा 498र के तहत दर्ज मामलों में तत्काल गिरफ्तारी पर रोक लगाते हुए कोर्ट ने कहा है कि अब एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस दो महीने तक आरोपियों (पति या उसके रिश्तेदारों) को गिरफ्तार नहीं करेगी। इस दो महीने की अवधि को शांति अवधि कहा गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट के दो साल पुराने दिशा-निर्देशों को पूरे देश में लागू करने का आदेश दिया। यह फैसला जस्टिस बी.आर. गवई और जस्टिस ऑगस्टाइन जॉर्ज मसीह की पीठ ने एक महिला ड्डक्कर अधिकारी से जुड़े

मामले की सुनवाई के दौरान दिया।

सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद अब धारा 498र के तहत कोई भी शिकायत दर्ज होने पर पुलिस तत्काल कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं करेगी। नए दिशानिर्देशों के अनुसार, स्नड्ढक्र दर्ज होने के तुरंत बाद मामले को दो महीने की 'शांति अवधि' के लिए संबंधित जिले की परिवार कल्याण समिति को भेजा जाएगा। इस दो महीने की अवधि के दौरान, पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी जैसी कोई कठोर कार्रवाई नहीं करेगी, और समिति का मुख्य उद्देश्य दोनों पक्षों के बीच मध्यस्थता और निपटारे की कोशिश करना होगा, ताकि रिश्ते को टूटने से बचाया जा सके और कानून के दुरुपयोग को रोका जा सके। यह नियम उन सभी मामलों पर लागू होगा जिनमें धारा 498-र के साथ 10 वर्ष से कम कारावास की सज़ा वाली अन्य धाराएं भी शामिल हों और मामले में कोई गंभीर शारीरिक क्षति न हुई हो। सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश एक महिला अधिकारी से जुड़े मामले की सुनवाई के दौरान दिया। कोर्ट ने उस महिला अधिकारी को अपने पति और उसके रिश्तेदारों का उत्पीड़न करने के लिए अखबारों में माफीनामा प्रकाशित कर माफी मांगने का भी आदेश दिया है।

मतदाता पुनरीक्षण प्रजातंत्र के खिलाफ है : प्रियंका चतुर्वेदी

मुंबई, एजेंसी। शिवसेना (यूबीटी) के नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने गुरुवार को बिहार मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण को प्रजातंत्र के खिलाफ बताया। उन्होंने कहा कि इस मामले में सुप्रीम कोर्ट को भी हस्तक्षेप करना पड़ा, लेकिन अब स्थिति ऐसी हो चुकी है कि ये लोग सुप्रीम कोर्ट की भी बात मानने को तैयार नहीं हो रहे हैं। शीर्ष अदालत ने खुद कहा था कि मतदाता पुनरीक्षण के दौरान चुनाव आयोग की ओर से जिन दस्तावेजों की मांग की गई है, वो सभी मतदाता के पास कहां से आएंगे? उन्होंने कहा, मतदाता पुनरीक्षण की प्रक्रिया विपक्ष को दबाने के लिए संचालित की जा रही है, क्योंकि सत्तापक्ष को इस बात का डर है कि कहीं विपक्ष के लिए आने वाले दिनों में राजनीतिक स्थिति अनुकूल नहीं हो जाए, इसलिए वो इस तरह की प्रक्रिया को संचालित कर रहे हैं। सरकार की ओर से बेशक दावा किया जाए कि मतदान पुनरीक्षण की प्रक्रिया फर्जी वोटर्स को चिन्हित करने के लिए हो, लेकिन ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। इस प्रक्रिया के तहत फर्जी मतदाताओं को चिन्हित करने की आड़ में लोकतंत्र के सिद्धांतों को ताक पर रखने की तैयारी की जा रही है, लेकिन हम ऐसा नहीं होने देंगे।

प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा, महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के दौरान भी मतदाताओं को प्रभावित करने की कोशिश सरकार की तरफ से की गई थी। वे चाहते थे कि विपक्षी खेमा अपने पंख न फैला पाए, और अफसोस, ये लोग ऐसा करने में सफल भी रहे। मैं यह बात पूरी जिम्मेदारी के साथ कह रही हूं।

'कट्टरपंथी ताकतों को...', ब्रिटेन से पीएम मोदी ने दिया दुनिया को संदेश ; फ्री ट्रेड डील को बताया ऐतिहासिक

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और ब्रिटेन के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट हो चुका है। पीएम मोदी ने अपने ब्रिटेन दौरे के दौरान पीएम कीर स्टार्मर से मुलाकात की और भारत के युवाओं, किसानों, मछुआरों के लिए इस समझौते को विशेष रूप से लाभकारी बताया। पीएम ने कहा कि 'आज हमारे संबंधों में एक एतिहासिक दिन है। मुझे प्रसन्नता है कि कई वर्षों की मेहनत के बाद, आज दोनों देशों के बीच कॉमप्रिहेंसिव इकोनॉमिक एंड ट्रेड एग्रीमेंट संपन्न हुआ है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने अपने समकक्ष के साथ समझौते पर दस्तखत किए।

पीएम मोदी ने फ्री ट्रेड एग्रीमेंट को लाभकारी बताते हुए कहा, 'एक ओर भारतीय टेक्सटाइल्स, फुटवियर, जेम्स एण्ड ज्वेलरी, सी फूड और

इंजीनियरिंग गुड्स को यूके में बेहतर मार्केट एक्सेस मिलेगा।

पीएम ने कहा, 'भारत के युवाओं, किसानों, मछुआरों और एमएसएमई सेक्टर के लिए यह समझौता विशेष रूप से लाभकारी सिद्ध होगा। वहीं दूसरी ओर भारत के लोगों और इंडस्ट्री के लिए यूके में बने प्रोडक्ट्स जैसे मेडिकल डिवाइसेज़ और एयरोस्पेस पार्ट्स सुलभ और किफायती दरों पर उपलब्ध हो सकेंगे।'

पहलगाम आतंकी हमले का किया जिक्र

पीएम मोदी ने कहा कि 'अगले दशक में हमारी कॉमप्रिहेंसिव स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप को नयी गति और ऊर्जा देने के लिए आज हम विजन 2035 पर भी बात करेंगे। यह टेक्नोलॉजी, डिफेंस, क्लाइमेट, एजुकेशन और पीपल-टू-पीपल कनेक्ट के क्षेत्रों में एक मजबूत, भरोसेमंद और महत्वाकांक्षी साझेदारी का रोडमैप होगा।' उन्होंने आगे कहा, 'इंडो-पैसिफिक में शांति और स्थिरता, यूक्रेन में चल रहे संघर्ष और पश्चिम एशिया की स्थिति पर हम विचार साझा करते रहे हैं। सभी देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान अनिवार्य है। आज के युग की मांग, विस्तारवाद नहीं, विकासवाद है।' पीएम ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कठोर निंदा के लिए हम प्रधानमंत्री स्टार्मर और उनकी सरकार का आभार व्यक्त करते हैं। हम एकमत हैं कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में दोहरे मापदंडों का कोई स्थान नहीं है। हम इस बात पर भी सहमत हैं, कि कट्टरपंथी विचारधारा वाली शक्तियों को अभिव्यक्ति की आजादी का दुरुपयोग नहीं करने दिया जा सकता।'

दिल्ली में बाढ़ का खतरा, यमुना उफान पर, पहाड़ों में भूस्खलन से तबाही, देश भर में भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। देश भर में मानसून ने रौद्र रूप ले लिया है, जिससे उत्तर से लेकर दक्षिण भारत तक जन-जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में यमुना नदी खतरे के निशान पर बह रही है, तो वहीं पहाड़ी राज्यों हिमाचल और उत्तराखंड में मूसलाधार बारिश और भूस्खलन ने तबाही मचा रखी है। मुंबई समेत कई राज्यों में भारी बारिश से बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं।

राजधानी दिल्ली पर बाढ़ का संकट मंडरा रहा है। यमुना का जलस्तर लगातार बढ़ने से खतरे के निशान तक पहुँच गया है, जिसके चलते कई निचले इलाकों में पानी घुसना शुरू हो गया है। हरियाणा के हथिनीकुंड बैराज से और पानी छोड़े जाने की सूचना के बाद जलस्तर के और ऊपर जाने की आशंका है। इसे देखते हुए प्रशासन ने प्रभावित इलाकों में ऑरेंज और रेड अलर्ट जारी कर दिया है और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी है। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से हालात बेकाबू हो गए हैं। जगह-जगह से भूस्खलन और बादल फटने की दर्दनाक खबरें आ रही हैं। हिमाचल में दो राष्ट्रीय राजमार्गों (ह्र॥) समेत कुल 385 सड़कें मलबे के कारण बंद हो गई हैं। मंडी में एनएच-70 (मंडी-कोटली मार्ग) और सिरमौर में एनएच-707 (हाटकोटी से पांवटा साहिब) कई जगहों पर भूस्खलन के कारण बाधित है। दोनों राज्यों में स्कूल बंद कर दिए गए हैं और प्रशासन राहत एवं बचाव कार्य में जुटा है। महाराष्ट्र की आर्थिक राजधानी मुंबई में भी भारी बारिश ने लोगों का हाल-बेहाल कर दिया है। सड़कों पर जलभराव के कारण यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ है। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों के लिए देश के कई हिस्सों में बारिश का पूर्वानुमान जारी किया है। तटीय कर्नाटक, दक्षिण कोंकण, गोवा, दक्षिण छत्तीसगढ़, तेलंगाना और विदर्भ में मध्यम से भारी बारिश हो सकती है।

आधी रात को गर्लफ्रेंड से मिलने पहुंचा, देखते ही मचा शोर- आ गया ड्रोन चोर... पीट-पीटकर किया ऐसा हाल

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बरेली। यूपी के बरेली जिले के सिरौली में इन दिनों बरेली के ग्रामीण इलाकों में रात में उड़ने वाले ड्रोन की वजह से डर का माहौल बना हुआ है। सिरौली कस्बे में तो लोगों की नींद ही उड़ चुकी है। इसी डर के चलते मंगलवार की रात एक निर्दोष युवक को लोगों ने चोर समझकर बुरी तरह पीट डाला। युवक दरअसल अपनी प्रेमिका से मिलने गया था, लेकिन उसकी यह मुलाकात जानलेवा साबित होते-होते बची।

दरअसल, मंगलवार देर रात करीब दो बजे सिरौली कस्बे के एक मोहल्ले में अफरा-तफरी मच गई। एक युवक अपनी प्रेमिका के बुलावे पर उससे मिलने उसके घर पहुंचा था। मोहल्ले में इन दिनों रात में ड्रोन उड़ने की अफवाहें चल रही हैं। जिस वजह से लोग पहले से ही सतर्क थे। जैसे ही कुछ लोगों ने उस युवक को छिपते-छुपाते मोहल्ले में घूमते देखा। उन्होंने बिना कुछ पूछे उसे पकड़ लिया और शोर मचा दिया कि ड्रोन चोर पकड़ा गया।

लाठी-डंडों से हुई पिटाई,

युवक की हालत बिगड़ी

ड्रोन चोर की बात सुनते ही दर्जनों लोग घरों से निकल आए। किसी ने लाठी उठाई तो किसी ने डंडा। भीड़ ने युवक को चारों तरफ से घेरकर पीटना शुरू कर दिया। युवक हाथ जोड़कर कहता रहा कि वह चोर नहीं है। बल्कि, अपनी प्रेमिका से मिलने आया था, लेकिन कोई उसकी बात सुनने को तैयार नहीं था। वह लगातार रहम की भीख मांगता रहा, लेकिन लोगों ने उसकी एक न सुनी। कुछ देर बाद जब पिटाई की खबर ज्यादा फैल गई तो किसी ने पुलिस को फोन कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने बड़ी मशक्कत के बाद युवक को भीड़ से छुड़ाया और थाने ले गई।

पुलिस ने बचाई जान, दो घंटे चला हंगामा

थाने ले जाने के बाद पुलिस ने युवक से पूछताछ की। उसने सारी सच्चाई बताई कि वह चोरी करने नहीं, बल्कि प्रेमिका से मिलने गया था। मोहल्ले के ही एक घर में उसकी प्रेमिका रहती है। उसी के बुलावे पर वह आया था। पुलिस ने जब दोनों पक्षों से बातचीत की, तो मामला शांत कराया गया। करीब दो घंटे तक यह पूरा ड्रामा चला। कोतवाली प्रभारी जगत सिंह ने बताया कि दोनों पक्षों में आपसी समझौता हो गया है और किसी ने कोई तहरीर नहीं दी है। युवक को भी छोड़ दिया गया है। पुलिस ने मोहल्ले वालों से अपील की है कि अफवाहों पर ध्यान न दें और कोई संदिग्ध गतिविधि दिखे तो सीधे पुलिस को सूचित करें, खुद कानून हाथ में न लें।

ड्रोन की दहशत में जाग रहे हैं लोग

बरेली जिले के खासकर सिरौली इलाके में इन दिनों रात के वक्त उड़ने वाले ड्रोन की अफवाहों ने लोगों को परेशान कर रखा है। हर रात कोई न कोई किसी घर की छत पर या गली में हलचल देखता है, तो उसे चोर समझकर हंगामा खड़ा कर देता है। कई बार यह अफवाहें झूठी साबित होती हैं, लेकिन इस बार एक युवक की जान पर बन आई। पुलिस का कहना है कि अब तक ड्रोन से चोरी की कोई पक्की घटना सामने नहीं आई है, लेकिन लोग सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही बातों की वजह से डर में जी रहे हैं। पुलिस ने इलाके में रात की गश्त बढ़ा दी है और लोगों से कहा है कि कोई संदिग्ध गतिविधि दिखे तो पुलिस को तुरंत सूचित करें।

मनरेगा सेल में अवैध तैनाती से बढ़ा भ्रष्टाचार

बल्दीराय/ सुल्तानपुर। वि०खं०बल्दीराय में मनरेगा सेल कार्यालय में संविदा लिपिक मनोज यादव ने अपने सगे भाई प्रमोद यादव को अवैध तरीके से मनरेगा सेल की जिम्मेदारी दे दी है। जबकि प्रमोद यादव न सरकारी कर्मी है और नही संविदा कर्मी। जानकारी के मुताबिक प्रमोद यादव मनरेगा सेल में बैठकर गोपनीय फाइलों व दस्तावेजों तक पहुंच बना लिया है और प्रधानों तथा ठेकेदारों से अवैध वसूली करता है। जिससे मनरेगा कार्यों के गोपनीयता व पारदर्शिता पर गम्भीर सवाल खड़े हो गए हैं। सूत्रों के अनुसार मनोज यादव ने अवैध तरीके से प्रमोद यादव को कार्यालय बैठाकर कार्यालय की गोपनीयता का स्पष्ट उलंघन करके शासनादेश का उलंघन किया है तो वहीं खं०वि०अधिकारी की भूमिका पर भी प्रश्नचिन्ह खड़ा किया है। यही नही सूत्र बताते हैं कि सेक्रेटरी नीतू तिवारी कार्यालय आती ही नही हैं ये अपने निजी व्यक्ति अजय यादव से सारा कार्य करवाती हैं।

हमीरपुर में दस रुपये के लिए दारोगा और सिपाही लाइन हाजिर, दी थी जेल भेजने की धमकी

आर्यावर्त संवाददाता

हमीरपुर। राठ में सोमवार को गोलगप्पे खाने के बाद दुकानदार को महज दस रुपये न देकर उसके साथ मारपीट करने वाले दारोगा और सिपाही को सजा मिल ही गई। इनके के खिलाफ दो दिन बाद ही एक्शन हो गया। पुलिस अधीक्षक डा.दीक्षा शर्मा ने तत्काल प्रभाव से दारोगा व सिपाही को लाइन हाजिर कर दिया है। मामला संज्ञान में आने पर एसपी ने मंगलवार को जांच कराई और दारोगा व सिपाही को लाइन हाजिर कर दिया है।इस कार्रवाई से पुलिस महकमें में खलबली मची हुई है।

राठ के औंता गांव के शिवा पुत्र ब्रजकिशोर ने मंगलवार को सीओ कार्यालय में ग्रामीणों के साथ पहुंचकर दारोगा शिवमदत्त और सिपाही अमित कुमार के खिलाफ तहरीर दी थी। दुकानदार ने बताया कि वह अपने गांव में गोलगप्पे की रेहड़ी लगाता है। उसने बताया कि सोमवार दारोगा शिवमदत्त और सिपाही अमित कुमार उसकी दुकान पर आए और दोनों लोगों ने पांच-पांच रुपये के गोलगप्पे खाए।

जब गोलगप्पे के दस रुपये मांगे तो आक्रोशित दारोगा और सिपाही ने गाली गलौज कर मारपीट शुरू कर दी। पिटाई के बाद दुकानदार के चेहरे में सूजन आ गई है और उसका कान भी दर्द कर रहा है। सीओ राजीव प्रताप सिंह ने बताया कि जांच के बाद दरोगा व सिपाही को लाइन हाजिर कर दिया है।

यूपी के इस जिले में सड़क को 60 चौड़ा करने के लिए जमीन का होगा अधिग्रहण, भू–स्वामी को दिया जाएगा मुआवजा

आर्यावर्त संवाददाता

गाजीपुर। वाराणसी-बलिया मार्ग का महराजगंज से लेकर रौजा-जंगीपुर तक की सड़क 60 फीट से अधिक चौड़ी होगी। बीच सड़क से दोनों तरफ 11.5-11.5 मीटर जमीन में सड़क बनेगी। बीच में डिवाइडर भी बनाया जाएगा। इसके लिए लोकनिर्माण विभाग सर्वे कर रहा है, ताकि पता किया जा सके कि कितनी जमीन विभाग की है और कितनी अधिग्रहित करनी पड़ेगी। जिस स्थान पर विभाग की जमीन नहीं होगी, वहां निजी जमीन के बदले विभाग मुआवजा देगा। इसके लिए कार्ययोजना तैयार की जा रही है। निर्माण पर डेढ़ सौ करोड़ के अलावा भूमि का मुआवजा देने पर भी काफी धन खर्च होगा।

पिछले दिनों समीक्षा बैठक में आए सीएम योगी आदित्यनाथ ने शहर की सड़कें चौड़ीकरण का निर्देश दिया था। इसके बाद

पीडब्ल्यूडी ने वाराणसी-गोरखपुर फोरलेन के महाराजगंज से जंगीपुर और भुतहिया टांड (सैनिक चौराहा) से होते हुए विकासभवन चौराहा से अस्पताल और दूसरी तरफ सिंचाई विभाग चौराहा होते हुए कलक्ट्रेट तक चौड़ीकरण को लेकर सड़क की नाप शुरू कर दी है। दोनों तरफ नाप कर कार्ययोजना बनाई जा रही है। शहर की मुख्य सड़क पहले हाईवे था। सड़क वर्ष 2015-16 में नेशनल हाईवे अथारिटी ने लोकनिर्माण विभाग को हैंडओवर किया था। चौड़ीकरण के दौरान दोनों तरफ 11.5-11.5 मीटर जगह लेनी है। दोनों तरफ की मिलाकर 60 फीट से अधिक चौड़ी सड़क बनाने का प्लान है। इसके अलावा पटरी व बीच में डिवाइजर भी बनेगा। सड़क किनारे के बिजली के खंभे भी हटाए जाएंगे। दोनों फेज की सड़कों के निर्माण पर 150 करोड़ खर्च होने का अनुमान है। हालांकि अभी जमीन का मुआवजा भी बाकी है। .

महाराजगंज व लंका-विशेश्वरगंज व जंगीपुर में आएंगे भवन

सड़क चौड़ीकरण के दौरान महाराजगंज, लंका, विशेश्वरगंज, सकलेनाबाद और जंगीपुर में काफी भवन जद में आएंगे। यदि ये भवन सरकारी भूमि में बने होंगे तब तो मुआवजा नहीं मिलेगा, लेकिन अगर निजी जमीन पर होंगे तो विभाग मुआवजा देगा।

फेज-1 -पहले फेज में वाराणसी फोरलेन से महराजगंज से भुतहिया टांड, विकास भवन चौराहा, अस्पताल- सिंचाई विभाग चौराह होते हुए कलक्ट्रेट

फेज-2- भुतहिया टांड से लंका-विशेश्वरगंज-रौजा-जमानियां मोड-जंगीपुर होते हुए फोरलेन में मिलेगा।

पहले विभागीय सर्वे चल रहा है। इसके बाद राजस्व विभाग की टीम के साथ सर्वे कर जमीन का निशान लगाया जाएगा। जिनका निजी भूमि सड़क निर्माण के लिए ली जाएगी, उन्हें मुआवजा दिया जाएगा।

- बीएल गौतम, अधिशासी अभियंता लोकनिर्माण विभाग प्रांतीय खंड

युवा व्यापारियों से है व्यापार की शान,काउंसिल देगा उन्हें उचित सम्मान

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। काउंसिल आफ उद्योग व्यापार मंच अपने गठन के समय से ही युवा व्यापारियों के प्रोत्साहन, सम्मान व उन्हें उचित मार्ग निर्देशन प्राप्त हो इसके लिये प्रयासरत है, काउंसिल का मानना है कि युवा व्यापारियों को अगर उचित स्थान और सम्मान मिले तो वे राष्ट्र की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, इन्हीं उद्देश्यों को लेकर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरदार बलदेव सिंह, प्रदेश प्रवक्ता रमेश महेश्वरी, मंडल अध्यक्ष अशोक कसौधन एवं जिला अध्यक्ष कुलदीप गुप्ता के निर्देशन में युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष शुभम जैन ने नगर के तमाम युवा व्यापारियों को संगठन की नीतियों से परिचित कराते हुए संगठन से जोड़ा। बुधवार देर शाम एक निजी प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम में युवा व्यापारियों आशुतोष गुप्ता, राहुल सोनी, कृष्णा जैन, अजय सोनी, मुकेश गुप्ता, जसकीरत सिंह, विनय चौरसिया, मनीष जैन, आकर्षित गुप्ता, राहुल गुप्ता, देवांश तिवारी, जितेन्द्र जायसवाल, रमन यादव, अनमोल उपाध्याय, सुधांशु चौरसिया, आकाश गुप्ता का परिचय कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें सदस्यता प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे जिला अध्यक्ष कुलदीप गुप्ता, विशिष्ट अतिथि रहे जिला महामंत्री राजेश माहेश्वरी व वरिष्ठ पदाधिकारियों में राजीव श्रीवास्तव, अशोक दिव्या, अश्विनी वर्मा आदि उपस्थित रहे।

प्यार में मिला धोखा और प्रेमिका के परिवार की प्रताड़ना नहीं सह सका युवक, जहरीला पदार्थ निगला, मौत

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

हीमपुर दीपा (बिजनौर)। हीमपुर दीपा क्षेत्र के गांव अजुपुरा जट के 24 वर्षीय युवक ने प्रेम संबंध में धोखा मिलने और गैर बिरादरी की प्रेमिका के स्वजन की बार-बार प्रताड़ना से दुखी होकर जहरीला पदार्थ निगलकर मौत को गले लगा लिया। मृतक के पिता ने प्रेमिका के पिता, भाई तथा रिश्तेदारों के खिलाफ थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

गांव अजुपुरा जट निवासी आत्माराम शर्मा का 24 वर्षीय इकलौता पुत्र संयम तथा थाना मंडावर क्षेत्र के एक गांव निवासी अन्य बिरादरी की युवती बिजनौर में कोचिंग करते थे। इस दौरान दोनों के लगभग तीन वर्ष से प्रेम संबंध थे। जब इसकी भनक युवती के स्वजन को लगी तो उन्होंने संयम से शादी करने से साफ इन्कार कर दिया।

साथ ही अपनी पुत्री का रिश्ता अन्य जगह कर दिया। इसे युवक प्यार में धोखा समझने लगा। इसी के साथ आरोप है कि युवती के स्वजन और गाजियाबाद में रहने वाले रिश्तेदारों ने संयम पर अपनी पुत्री से दूर रहने का दबाव बनाना शुरू कर दिया। बार-बार मानसिक प्रताड़ना के कारण संयम परेशान रहने लगा।

बुधवार दोपहर बाद बिजनौर से बाइक से लौटते हुए संयम ने जहर निगल लिया। कुछ दूर चलने के बाद उसकी हालत बिगड़ गई। उसने अपने पिता आत्माराम शर्मा को फोन पर जहर खाने की सूचना दी। स्वजन संयम को बिजनौर-बदायूं मार्ग से बेहोशी की हालत में उपचार के लिए एंबुलेंस के ज़रिए जिला संयुक्त चिकित्सालय बिजनौर ले गए। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मृतक के पिता आत्माराम शर्मा ने बुधवार की रात थाने में तहरीर देकर अपने पुत्र संयम को युवती के पिता, भाई तथा गाजियाबाद में रहने वाले उनके रिश्तेदारों द्वारा बार-बार मानसिक रूप से प्रताड़ित करने को आरोपित किया है। कहा कि इसी से दुखी और परेशान होकर उनके इकलौते पुत्र संयम ने जहरीला पदार्थ निगल कर जान दे दी।

थाना अध्यक्ष योगेश मावी ने गुरुवार को बताया कि मामले में दोनों तरफ से तहरीर दी गई है। पुलिस बिंदु पर गहराई से जांच कर रही है।

तीन बहनों का अकेला भाई था संयम

संयम, आत्माराम का इकलौता पुत्र था। उससे छोटी संयम की तीन बहने गुंजन, सिद्धि, महक हैं। मां की कोरोना काल में मौत हो चुकी है। घटना से स्वजन का रो-रो कर बुरा हाल है।

अन्नप्राशन व गोद भराई कार्यक्रम के जरिए दिए सेहतमंद रहने के मूल मंत्र

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। जनपद के ग्राम पंचायत मोरा मुस्तकम में बृहस्पतिवार को समुदाय आधारित गतिविधि के तहत अन्नप्राशन और गोदभराई कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने गर्भवती महिलाओं व धात्री माताओं को स्तनपान के फायदे बताने के साथ ही डायरिया रोकथाम और प्रबन्धन के बारे में भी जागरूक किया। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता राजेश कुमारी, ममता एवं आशा संगिनी मीरा शर्मा ने हाथों की सही तरीके से साफ़-सफाई और उसके फायदे के बारे में भी गीत के माध्यम से आकर्षक ढंग से बताया, जो महिलाओं को खूब पसंद आया। सांप-सीढ़ी खेल के माध्यम से डायरिया के कारण, बचाव, उपचार, रोकथाम और प्रबन्धन के बारे में भी विस्तार से बताया गया।

इस मौके पर आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने कहा कि बारिश और उमस के दौरान डायरिया के मामले बढ़ जाते हैं। डायरिया का सही इलाज ओआरएस का घोल और जिंक के टेबलेट हैं, जिन्हें उम्र के अनुसार निश्चित अवधि और निश्चित मात्रा में लेना बहुत जरूरी होता है। इसी को ध्यान में रखते हुए जिले में 31 जुलाई तक डायरिया रोको अभियान चलाया जा रहा है। डायरिया रोको अभियान में पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) और केनव्यू भी 'डायरिया से डर नहीं' कार्यक्रम के माध्यम से सहयोग कर रहे हैं। समुदाय में डायरिया के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य के साथ ही बच्चों में डायरिया की रोकथाम, ओआरएस व जिंक के उपयोग को प्रोत्साहन और जनसामान्य में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए आज अन्नप्राशन और गोद भराई कार्यक्रम में इस जागरूकता गतिविधि को भी शामिल किया गया। इस मौके पर छह माह पूरा कर चुके चार शिशुओं का अन्नप्राशन किया गया और बताया गया कि छह माह तक शिशु को सिर्फ और सिर्फ मां का दूध देना चाहिए। छह माह पूरे करने के बाद शारीरिक और मानसिक विकास के लिए पूरक आहार देना जरूरी होता है। इसके तहत घर का बना साफ़ और ताजा मसला हुआ भोजन देना चाहिए। गर्भवती महिलाओं को बताया गया कि गर्भावस्था के दौरान वह अपने साथ ही गर्भस्थ की बेहतरी के लिए खानपान का पूरा ख्याल रखें।

UGC-NET परीक्षा में गोरखपुर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने लहराया सफलता का परचम, 150 से अधिक छात्र JRF के लिए चयनित

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने जून माह में आयोजित यूजीसी-नेट, जेआरएफ तथा पीएचडी पात्रता परीक्षा में शानदार प्रदर्शन किया है। परीक्षा में विभिन्न विभागों के करीब 150 से अधिक छात्र-छात्राओं ने यूजीसी नेट-जेआरएफ में सफलता का परचम लहराया है। इनमें दो दर्जन से अधिक विद्यार्थी जूनियर रिसर्च फेलोशिप (जेआरएफ) के लिए चयनित हुए हैं। राजनीतिशास्त्र विभाग की शोध छात्रा श्रेया द्विवेदी ने राष्ट्रीय स्तर पर 21वीं रैंक प्राप्त कर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। यूजीसी ने इस वर्ष से जेआरएफ, असिस्टेंट प्रोफेसर व पीएचडी पात्रता को तीन अलग-अलग श्रेणियों में विभाजित कर परिणाम जारी किया है। इसमें भी विश्वविद्यालय के छात्रों ने प्रत्येक श्रेणी में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। विवि के जिन विभागों के विद्यार्थियों का चयन हुआ है उनमें हिंदी, अंग्रेजी, इतिहास, पर्यावरण विज्ञान, भूगोल, वाणिज्य, शिक्षा शास्त्र, शारीरिक शिक्षा, संगीत एवं ललित कला, गृह विज्ञान, राजनीतिशास्त्र, बायोटेक्नोलाजी, संस्कृत, गणित एवं सांख्यिकी, प्राचीन इतिहास, उर्दू, मनोविज्ञान, अर्थशास्त्र, प्राणि विज्ञान, रक्षा अध्ययन, समाजशास्त्र, विधि विभाग व दर्शनशास्त्र आदि शामिल हैं।

हमारे विद्यार्थियों का यह प्रदर्शन अत्यंत उत्साहवर्धक है। विभिन्न विभागों से प्राप्त हो रही जानकारी के अनुसार यह संख्या आगे और भी बढ़ सकती है। यह परिणाम विश्वविद्यालय के शिक्षकों, विद्यार्थियों और शैक्षणिक नीति के संयुक्त प्रयासों का प्रतिफल है।

-प्रो .अनुभूति दूबे, अधिष्ठाता छात्र कल्याण, गोवि

यूजीसी नेट परीक्षा में विश्वविद्यालय के छात्रों का यह असाधारण प्रदर्शन न केवल उनके परिश्रम और समर्पण को दर्शाता है, बल्कि विश्वविद्यालय के उच्च गुणवत्ता वाले शिक्षण वातावरण का प्रमाण है। हमारा लक्ष्य विद्यार्थियों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करना है। यह सफलता उसी दिशा में एक मजबूत कदम है।

-प्रो .पूनम टंडन, कुलपति, गोवि

यूपी के इस जिले में बिजली के लिए हाहाकार, टूटा 1.32 लाख वोल्ट का तार ; गर्मी से सब हैरान

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

गोरखपुर। गर्मी बढ़ते ही बिजली व्यवस्था पूरी तरह पटरी से उतर चुकी है। महानगर में घंटों बिजली कटौती हो रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली आने-जाने का कोई समय नहीं रह गया है। मंगलवार रात 10 बजे चौरी चौरा खंड क्षेत्र के गहिरा में 132 केवी (एक लाख 32 हजार वोल्ट) की लाइन का तार टूट गया।

इस कारण नइयापार, पलिपा, राजधानी, मोतीराम अड्डा और चौरी चौरा उपकेंद्रों की आपूर्ति ठप हो गई। यह लाइन चार सौ केवी पारेषण उपकेंद्र मोतीराम अड्डा से 132 केवी पारेषण उपकेंद्र शत्रुघ्नपुर जाती है। पारेषण के अभियंताओं ने आनन-फानन देवरिया से बिजली लेकर शत्रुघ्नपुर पारेषण उपकेंद्र को बिजली दी। बुधवार सुबह तार जोड़कर आपूर्ति सामान्य की गई।

मंगलवार रात राप्तीनगर क्षेत्र की आपूर्ति ठप हो गई। इसके साथ ही मेडिकल कालेज रोड के किनारे के मोहल्लों की आपूर्ति पर भी असर पड़ा। देर रात आपूर्ति बहाल हो सकी। उमस भरी गर्मी में उपभोक्ता परेशान रहे। बिजली न होने से पानी का संकट खड़ा हो गया। शाहपुर उपकेंद्र से जुड़े अशोक नगर क्षेत्र में रात में केबल जल गया।

रात में किसी तरह वैकल्पिक व्यवस्था कर आपूर्ति बहाल की गई। बुधवार दोपहर केबल बदलने के लिए घंटों बिजली काटी गई। इससे उपभोक्ताओं का बुरा हाल रहा। रुस्तमपुर उपकेंद्र से जुड़े राजीव नगर फीडर क्षेत्र में आपूर्ति बुरी तरह से प्रभावित हो रही है। यहां बिजली की आवाजाही से उपभोक्ताओं में नाराजगी बढ़ती जा रही है। बुधवार को रुस्तमपुर उपकेंद्र में खराबी आने के कारण काफी देर तक पूरे इलाके की आपूर्ति ठप रही।

पारेषण के अधिशासी अभियंता एके यादव ने बताया कि रात 10 बजे तार टूटने की जानकारी मिलते ही टीम के साथ सभी मौके पर पहुंच गए। जिस तरह तार टूटा था वहां से एक लाइन मोहद्दीपुर पारेषण उपकेंद्र को भी जाती है। इस कारण रात में इस लाइन पर काम नहीं किया गया। देवरिया से बिजली लेकर तत्काल आपूर्ति बहाल करा दी गई। बुधवार को तार ठीक करा दिया गया।

पीएसी में बिजली कटौती भी नाराजगी का कारण

शाहपुर उपकेंद्र से पीएसी फीडर को आपूर्ति दी जाती है। मंगलवार रात गड़बड़ी के कारण काफी देर तक आपूर्ति ठप रही। बिजली कटौती भी रिक्रूट की नाराजगी का बड़ा कारण बताई जा रही है। बिछिया क्षेत्र में मांग बढ़ते से बिजली व्यवस्था पटरी से उतर जा रही है। कहीं केबल जल रहे हैं तो कहीं ट्रांसफार्मर में खराबी आ जा रही है। इलाके के उपभोक्ता कटौती से परेशान हैं। मोहद्दीपुर में एक घंटे आपूर्ति ठप रही।

वंदेभारत के जाने के बाद शुरू हुआ काम

गहिरा में 132 केवी के टूटे तार को जोड़ने के लिए बुधवार सुबह वंदेभारत ट्रेन के लखनऊ रवाना होने का इंतजार किया गया। दरअसल, वंदेभारत ट्रेन जब स्टार्ट होती है तो बिजली की मांग 220 एम्पियर तक पहुंच जाती है।

इसे ऐसे समझें कि यदि 220 एम्पियर मांग लगातार एक घंटे तक बनी रहे तो बिजली की खपत तकरीबन दो सौ मेगावाट तक हो जाती है। सामान्य दिनों में पूरे शहर को एक दिन में इतनी बिजली की जरूरत होती है। हालांकि इंजन स्टार्ट होने के बाद मांग तेजी से कम होती है। रेलवे को मोहद्दीपुर पारेषण उपकेंद्र से बिजली दी जाती है इसलिए रात में उपकेंद्र को नहीं बंद किया गया।

ष्टाचार के आरोप में कानपुर के एसीएमओ सहित तीन चिकित्सक निलंबित, घूसखोरी के आरोप में डॉक्टर पर गिरी गाज

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। भ्रष्टाचार के आरोप में कानपुर नगर के अपर मुख्य चिकित्साधिकारी (एसीएमओ) और मेडिकल जांच में हेराफेरी के आरोप में दो अन्य डॉक्टर को निलंबित कर दिया गया है। अलग-अलग मामले में तीन अन्य डॉक्टरों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू की गई है। यह कार्रवाई उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के निर्देश पर हुई है।

कानपुर में एसीएमओ के रूप में कार्यरत डॉ. सुबोध प्रकाश यादव वर्ष 2003 में अलीगढ़ से स्थानांतरित होकर परामर्शदाता के पद पर आए थे। वर्ष 2019 में उन्हें लेवल-4 में पदोन्नति मिली। इसके बावजूद उनका स्थानांतरण नहीं हुआ। आरोप है कि डॉ. सुबोध ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए विभिन्न आपूर्तिदाताओं से साठगांठ कर वित्तीय

अनियमितता को बढ़ावा दिया।

विभागीय कार्रवाई शुरू करने का आदेश

नवंबर 2024 में डॉ. सुबोध ने चीफ फार्मासिस्ट अवनीश कुमार शुक्ला, डॉ. वन्दन सिंह, वरिष्ठ वित्त एवं लेखाधिकारी के साथ मिलकर अपने पद का दुरुप्रयोग किया। मामले में मुख्य चिकित्साधिकारी स्तर से जांच कराने पर आरोप सही पाई गई। जांच में दोषी पाए जाने पर विभाग व सरकार छवि धूमिल करने के आरोप में डॉ. सुबोध प्रकाश यादव को निलंबित कर दिया गया है। आरोपी चीफ फार्मासिस्ट एवं वरिष्ठ वित्त एवं लेखाधिकारी के विरुद्ध भी विभागीय कार्रवाई शुरू करने का आदेश दिया गया है।

सीबीआई भी कर चुकी है जांच

यह भी आरोप है कि सीबीआई की चार्जशीट में दोषी पाई गई कानपुर नगर के आचार्य नगर निवासी जेएम फर्मा से मिलीभगत की गई। जेम पोर्टल और अन्य अभिलेखों में हेराफेरी करके अधोमानक सामग्री खरीदी गई। इसमें पाया गया था कि हेराफेरी के जरिए करीब 1.60 करोड़ से अधिक का भुगतान किया गया था।

मेडिकल जांच में घूसखोरी, दो डॉक्टर निलंबित

मथुरा में उत्तर प्रदेश पुलिस आरक्षी भर्ती प्रकिया में गठित मेडिकल पैनल के सदस्यों पर घूस मांगने के गंभीर आरोप लगे हैं। आरोप हैं कि टीम के डॉक्टर सदस्यों ने मेडिकल परीक्षण पास कराने के नाम पर अभ्यर्थियों से रुपये वसूले। इस आरोप में जिला चिकित्सालय में तैनात आर्थोपेडिक सर्जन डॉ. हरि नारायण प्रभाकर, एटा के जिला चिकित्सालय में तैनात डॉ. राहुल वार्ष्णेय को निलंबित कर दिया गया है। इनके खिलाफ विभागीय जांच भी शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं।

आशा चयन में सीएमओ ने की अनियमितता

बदायूं जिला चिकित्सालय में तैनात डॉ. अनिल कुमार श्रीवास्तव ने बांदा मुख्य चिकित्साधिकारी पद पर रहते हुए आशा चयन प्रकिया में अनियमितता बरती। वित्तीय भ्रष्टाचार के गंभीर शिकायतों का मामला विधानसभा में उठा था। मामले की जांच कराई गई। चित्रकूटधाम मंडल के मंडलीय अपर निदेशक की जांच में डॉ. श्रीवास्तव को दोषी पाया गया। ऐसे में उप मुख्यमंत्री ने निर्दे दिया है कि डॉ. श्रीवास्तव के विरूद्ध विभागीय कार्रवाई शुरू की जाए।

उच्चादेशों की अवहेलना की बात सही पाई गई

इसी तरह जनता दर्शन के दौरन उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक को वीरांगना अवन्तीबाई महिला चिकित्सालय (डफरिन) की कई शिकायतें मिली थीं। उप मुख्यमंत्री ने लखनऊ में मंडलीय अपर निदेशक से जांच कराई, जिसमें कई अनियमितता एवं उच्चादेशों की अवहेलना की बात सही पाई गई। ऐसे में अस्पताल की प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ. रेनू पंत को आरोप पत्र देकर विभागीय कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी गई है

उधर, हमीरपुर जिला चिकित्सालय में तैनात नेत्र सर्जन डॉ. अनिल कुमार सिंह पर रोगियों के उपचार में लापरवाही के आरोप लगे हैं। कर्तव्यों एवं दायित्वों के प्रति उदासीनता बरतने के संबंध में आई शिकायतों को लेकर स्पष्टीकरण मांगा गया। डॉ. अनिल कुमार सिह ने स्पष्टीकरण नहीं दिया। ऐसे में उनके खिलाफ भी विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी गई है। सीतापुर में फर्श पर प्रसूता व नवजात शिशु के लेटे जाने का वीडियो सोशल मीडिया में वॉयरल हुआ है। उप मुख्यमंत्री ने पूरे मामले में जांच करने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई क निर्देश दिया है।

पूरे देश में मशहूर लखनऊ की प्रकाश कुल्फी के ठिकानों पर पड़े छापे, सीजीएसटी टीम ने की जांच

लखनऊ। शहर की पुरानी और मशहूर प्रकाश कुल्फी फर्म के कई ठिकानों पर बृहस्पतिवार को सीजीएसटी (सेंट्रल गुड्स एंड सर्विस टैक्स) की टीम ने छापा मारा और जांच पड़ताल की। बताया गया कि दुकान समेत कुल पांच ठिकानों पर सीजीएसटी की टीम पहुंची। वहीं, प्रतिष्ठान के मालिकान ने इसे रूटीन जांच बताई। गोमतीनगर के विभूतिखंड स्थित सीजीएसटी दफ्तर के सूत्रों के मुताबिक प्रकाश कुल्फी नाम की फर्म के कई ठिकानों पर जांच की गई है। मामला तकनीकी बताया गया। यानि फर्म में बनने वाले उत्पादों के वर्गीकरण को लेकर जांच की गई। कुल्फी, आईस्क्रीम, मिल्क प्रोडक्ट्स पर अलग अलग श्रेणी में टैक्स की दर है। बताया गया कि एक ही श्रेणी में टैक्स भरने की शिकायत मिली थी। इसी शिकायत की पुष्टि के लिए बृहस्पतिवार को अमीनाबाद, चौक ठिकानों पर सीजीएसटी की टीम ने जांच पड़ताल की। बता दें कि प्रकाश कुल्फी नाम से शहर के कई बाजारों में आउटलेट्स हैं। इनमें चौक, अमीनाबाद, आलमबाग, गोमतीनगर में दुकाने हैं। देर शाम जांच के बाद टीम ने कार्यालय में दस्तावेज जमा किए हैं। उधर, अमीनाबाद के प्रतिष्ठान से जुड़े विक्की ने बताया कि छापेमारी जैसी कोई बात नहीं थी। सामान्य रुटीन चेकअप था। टीम आई थी, हम लोगों से जो सवाल जवाब हुए उसमें टीम का पूरा सहयोग किया गया। इसके अलावा अन्य सूचनाएं जो प्रसारित हो रही हैं, वह भ्रामक हैं।

भाजपा सरकार की विफलताओं का रिकॉर्ड, प्रदेश हर मोर्चे पर बदहाल : अखिलेश यादव

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने प्रदेश की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि यह सरकार विफलताओं का नया रिकॉर्ड बना रही है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाएं चरमरा चुकी हैं, बिजली व्यवस्था ध्वस्त है और शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह बर्बाद हो गई है। सरकार के मंत्री विभागीय जिम्मेदारियों को छोड़कर केवल अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति में लगे हैं, जबकि जनता की समस्याओं से उनका कोई सरोकार नहीं है।पूर्व मुख्यमंत्री ने प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग की बदहाली पर गंभीर चिंता जताते हुए कहा कि अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में इलाज के लिए जरूरी संसाधनों का भारी अभाव है। डॉक्टरों, प्रोफेसरों और तकनीकी स्टाफ की भारी कमी है। कई मेडिकल कॉलेजों में आए दिन डॉक्टर इस्तीफा दे रहे हैं। उन्होंने

कहा कि सरकार की लापरवाही के चलते गरीबों का इलाज लगभग असंभव हो गया है। इलाज के अभाव में मरीज निजी अस्पतालों का रुख कर रहे हैं, जहां उनसे मनमानी फीस वसूली जाती है। उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पतालों में हालत यह है कि भवनों में कुत्ते घूमते नजर आते हैं और अस्वच्छता का माहौल बना रहता है।अखिलेश यादव ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की इस बदहाली के लिए सीधे तौर पर सरकार और स्वास्थ्य मंत्री जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी लगातार स्वास्थ्य, बिजली, शिक्षा और कानून व्यवस्था से जुड़े मुद्दों को उठा रही है लेकिन भाजपा सरकार सत्ता के घमंड में सच स्वीकार करने को तैयार नहीं है। हाल ही में जब बिजली मंत्री का जनता ने कई जगह घेराव किया तब जाकर उन्हें जमीनी सच्चाई का अहसास हुआ, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।समाजवादी नेता ने कहा कि भाजपा सरकार के नौ साल के कार्यकाल ने प्रदेश को हर क्षेत्र में पीछे धकेल दिया है। स्कूल बंद हो रहे हैं और शराब की दुकानें खोली जा रही हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार गरीबों को शिक्षा से दूर करना चाहती है क्योंकि शिक्षा जागरूकता और चेतना देती है, जबकि भाजपा समाज को अंधकार में बनाए रखना चाहती है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह सरकार जागरूक समाज नहीं, बल्कि सोया हुआ समाज चाहती है, जिसे वह आसानी से नियंत्रित कर सके।अखिलेश यादव ने दोहराया कि जब तक भाजपा सरकार सत्ता से बाहर नहीं होती, तब तक शिक्षा, स्वास्थ्य और बिजली जैसी बुनियादी सेवाओं में सुधार संभव नहीं है।

नि :शुल्क पुस्तकों का वितरण

लखनऊ। भीम राव अम्बेडकर युवा फाउंडेशन की पहल एक कदम शिक्षा की ओर कार्यक्रम के तहत 25 जुलाई 2025 को अपने क्षेत्रीय रत्ना पैलेस, न्यू जेल रोड, लखनऊ पर निःशुल्क किताबो के साथ पठन पाठन की सामग्री वितरण की जाएगी। जिसमे कक्षा 9 से 12 तक के छात्र छात्राए शामिल हो सकते है। यह जानकारी सर्वेश कुमार द्वारा दी गई।

बीबीएयू छात्रावास में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित, छात्रों ने लिया संरक्षण का संकल्प

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू), लखनऊ के आर.सी.ए. पुरुष छात्रावास में 24 जुलाई को हरियाली को बढ़ावा देने और पर्यावरण के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से एक विशेष पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल के मार्गदर्शन में बागवानी एवं सौंदर्यीकरण अनुभाग के सहयोग से सम्पन्न हुआ।कार्यक्रम में छात्रावास के एडमिनिस्ट्रेटिव वार्डन डॉ. गोपाल दत्त एवं वार्डन डॉ. शैलेन्द्र यादव की सक्रिय भागीदारी रही। इस अवसर पर छात्रावास के छात्रों और शिक्षकों ने मिलकर आम, जामुन, अमरूद और बेल सहित विभिन्न छायादार और फलदार पौधों का रोपण किया। छात्रों ने न केवल वृक्षारोपण में भाग लिया, बल्कि लगाए गए पौधों की देखभाल और संरक्षण का उत्तरदायित्व स्वयं निभाने का संकल्प भी लिया।इस पहल का उद्देश्य केवल परिसर को हरित बनाना नहीं था, बल्कि छात्रों के भीतर पर्यावरण संरक्षण के प्रति सजगता और जिम्मेदारी की भावना को सुदृढ़ करना भी था। कार्यक्रम के दौरान बागवानी अनुभाग से आए विशेषज्ञों ने पौधों के पोषण, सिंचाई, कटाई-छंटाई और दीर्घकालिक देखभाल से जुड़ी उपयोगी जानकारी छात्रों से साझा की, जिससे पौधों को सुरक्षित और स्वस्थ बनाए रखा जा सके।छात्रों ने इस अवसर को पर्यावरण के प्रति एक सकारात्मक कदम बताते हुए इसे विश्वविद्यालय की हरित पहल की दिशा में एक प्रेरणादायी प्रयास बताया।

खुद को एटीएस अधिकारी बता रिटायर्ड डाक कर्मी को दो घंटे रखा डिजिटल अरेस्ट, पांच लाख ऐंठे

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में साइबर ठग ने खुद को एटीएस का अधिकारी बताकर रिटायर्ड डाककर्मी को दो घंटे तक डिजिटल अरेस्ट रखा। इसके बाद उनसे पांच लाख रुपये ऐंठ लिए। पीड़ित दिवाकर प्रकाश जायसवाल (60) सरोजनीनगर के एलडीए कॉलोनी के रहने वाले हैं। फोन करने वाले ने आतंकी संगठन से जुड़े होने की बात कहकर पीड़ित को झांसे में लिया था।

दिवाकर के मुताबिक, 13 जुलाई को दोपहर 12 बजे उनके पास अनजान नंबर से व्हाट्सएप कॉल आई थी। फोन करने वाले ने उन्हें खुद को एटीएस का अफसर बताया था। उसने दिवाकर से कहा कि तुम आतंकी संगठन से जुड़े हुए हो। इसलिए हम तुम्हें हम उठाने आ रहे हैं। यह सुनते वह घबरा गए। उन्होंने ठग को काफी समझाने का प्रयास किया मगर वह नहीं माना। ठग ने उन्हें जल्द ही गिरफ्तार करने की बात कही। दिवाकर के काफी मिन्नत करने पर ठग ने कहा कि अगर तुम जेल जाने से बचना चाहते हो तो तुमसे पूछताछ होगी। दिवाकर के हामी भरने पर ठग ने अपना जाल बिछाना शुरू कर दिया। आरोपी ने पूछताछ के बहाने उन्हें दो घंटे तक डिजिटल अरेस्ट कर लिया।

मानसिक प्रताड़ना से टूटे दिवाकर

दो घंटे में आरोपी ने उन पर इस कदर दबाव बनाया कि वह मानसिक रूप से टूट गए। फिर ठग ने कहा कि अगर तुम गिरफ्तारी से बचना चाहते हो तो तुम्हें पांच लाख रुपये देने होंगे। ठग से पीछा छुड़ाने के लिए दिवाकर ने उसके भेजे गए खाते में कई बार में पांच लाख ट्रांसफर कर दिए।

लखनऊ में अन्तर्राज्यीय शराब तस्करों का भंडाफोड़, 1400 लीटर अंग्रेजी शराब बराम

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश में अवैध शराब की तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत लखनऊ पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। थाना पीजीआई और सर्विलांस सेल, जोन दक्षिणी की संयुक्त टीम ने ढलौना रेलवे क्रॉसिंग के पास कार्रवाई करते हुए दो अन्तर्राज्यीय शराब तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 1400 लीटर अवैध अंग्रेजी शराब और कूटरचित नंबर प्लेट लगी महिन्द्रा पिकअप बरामद की गई है। बरामद शराब की अनुमानित कीमत बिहार में लगभग 18 लाख रुपये आंकी गई है।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सोनू बागरिया पुत्र कालूराम (उम्र 25 वर्ष) और सीताराम बागरिया पुत्र मोरू (उम्र 19 वर्ष), दोनों निवासी ग्राम खुड़ियाला, तहसील दूदू, थाना दूदू, जिला जयपुर (राजस्थान) के रूप में हुई है। दोनों अभियुक्त शराब को

महिन्द्रा पिकअप वाहन में कैरेटों की आड़ में छिपाकर जयपुर से बिहार के हाजीपुर ले जा रहे थे।पुलिस को सूचना मिली थी कि एक महिन्द्रा पिकअप वाहन (संख्या UP80HR5336) अवैध शराब लेकर किसान पथ के पास ढलौना रेलवे क्रॉसिंग के निकट खड़ा है। मौके पर पहुंची टीम ने वाहन में सवार दोनों व्यक्तियों को पकड़कर पूछताछ की। वाहन की तलाशी लेने पर उसमें ऊपर-नीचे कैरेटों में छिपाकर रखी गई रॉयल क्लासिक व्हिस्की ब्रांड की 7776 टैट्रा पैक (180 एमएल) अंग्रेजी शराब की 162 पेटियाँ बरामद की गईं।वाहन की जांच के दौरान पुलिस को ज्ञात हुआ कि उस पर लगी नंबर प्लेट फर्जी है। ई-चालान ऐप से वाहन की जानकारी न मिलने पर चेचिस नंबर से पड़ताल की गई, जिससे पता चला कि वाहन का असली रजिस्ट्रेशन नंबर RJ47GA-2782 है, जो टोंक (राजस्थान) निवासी रतनलाल बागरिया के नाम पंजीकृत है।पकड़े गए आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि वे पिछले सात-आठ महीनों से अलग-अलग वाहनों से शराब जयपुर से बिहार भेजते आ रहे हैं। उन्हें गांव का ही एक व्यक्ति कमल शारण पुत्र लालूराम वाहन और शराब उपलब्ध कराता है। प्रति खेप उन्हें 7,000 रुपये दिए जाते हैं। यह शराब बिहार में तीन गुना कीमत पर बेची जाती है, जहां पूर्ण शराबबंदी लागू है।अभियुक्तों ने यह भी स्वीकार किया कि फर्जी रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट और नंबर प्लेट लगाकर वे कई बार तस्करी कर चुके हैं। वे शराब के पाउच से प्रिंटेड एमआरपी मिटा देते हैं ताकि उसे मनमाने रेट पर बेचा जा सके। मुख्य आपूर्तिकर्ता कमल शारण और सहयोगी लालूराम की तलाश जारी है।पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध थाना पीजीआई में मु0अ0सं0-368/2025 अंतर्गत धारा 318(4)/338/336(3)/340(2)/61(2) बीएनएस व 60/63/72 आबकारी अधिनियम के तहत अभियोग पंजीकृत किया है।

सीतापुर स्कूल मर्जर पर हाईकोर्ट की रोक, कांग्रेस ने बताया गरीबों की शिक्षा की जीत

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में प्राथमिक विद्यालयों के मर्जर (विलय) के खिलाफ दायर याचिका पर आज लखनऊ स्थित माननीय उच्च न्यायालय ने छात्रों को बड़ी राहत देते हुए सीतापुर जिले के एक प्राथमिक विद्यालय के मर्जर पर रोक लगा दी है। इस आदेश को कांग्रेस पार्टी ने गरीब, वंचित और पिछड़े वर्ग के बच्चों की शिक्षा के अधिकार की जीत बताया है।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने इस फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भाजपा सरकार 27,000 से अधिक प्राथमिक विद्यालयों के मर्जर की जो योजना चला रही थी, वह शिक्षा के निजीकरण और गरीब बच्चों को उनके मौलिक अधिकारों से वंचित करने की साजिश थी। उन्होंने कहा कि सरकार का यह कदम न केवल बच्चों की पढ़ाई को बाधित कर रहा था, बल्कि लाखों शिक्षकीय पदों को समाप्त कर बेरोजगारी को और बढ़ा रहा था।अजय राय ने कहा, "कांग्रेस पार्टी निशुल्क और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के पक्ष में हमेशा संघर्ष करती रही है। भाजपा सरकार सरकारी स्कूलों को बंद करके निजीकरण को बढ़ावा देना चाहती है। हम इसका पुरजोर विरोध करते हैं।उन्होंने मांग की कि जिस प्रकार उच्च न्यायालय ने सीतापुर के मामले में मर्जर पर रोक लगाई है, उसी तर्ज पर प्रदेश सरकार को तत्काल पूरे उत्तर प्रदेश में स्कूलों के मर्जर की प्रक्रिया पर रोक लगानी चाहिए।कांग्रेस अध्यक्ष ने सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा, "एक तरफ सरकार मधुशाला खुलवा रही है और दूसरी ओर पाठशालाएं बंद कर रही है। यह दोहरा मापदंड अब नहीं चलेगा।

महिलाओं के नेतृत्व वाले ब्रांडों की झलकियों से सजी 'अनंतम' प्रदर्शनी, लखनऊ में हुआ भव्य आयोजन

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। फिक्की फ्लो लखनऊ चैप्टर द्वारा आयोजित बहुप्रतीक्षित लाइफस्टाइल और होम डेकोर प्रदर्शनी अनंतम का तीसरा संस्करण आज गोमती नगर स्थित होटल हयात रीजेंसी में भव्य रूप से आयोजित किया गया। इस खास मौके पर लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल और फिक्की फ्लो की राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष पूजा गर्ग ने संयुक्त रूप से प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।महापौर ने अपने संबोधन में कहा कि अनंतम न केवल एक प्रदर्शनी है, बल्कि यह महिला सशक्तिकरण का जीवंत उदाहरण भी है, जिसमें फैशन, आभूषण, स्वास्थ्य, गृह सज्जा और जीवनशैली से जुड़े महिला उद्यमियों को अपने उत्पादों के प्रदर्शन का बेहतरीन मंच मिला है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में बड़ी भूमिका निभा रहे हैं और स्थानीय शिल्प, डिज़ाइन व रचनात्मकता को

प्रोत्साहित करने का कार्य कर रहे हैं।फिक्की फ्लो लखनऊ चैप्टर की चेयरपर्सन वंदिता अग्रवाल ने जानकारी दी कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य घरेलू व्यवसायों विशेषकर महिलाओं के नेतृत्व वाले स्टार्टअप्स और टिकाऊ फैशन व शिल्प कौशल को बढ़ावा देना है। अनंतम में पारंपरिक बुनाई से लेकर पश्चिमी परिधान, राखियाँ, गृह सज्जा के अनूठे सामान तक 50 से अधिक डिजाइनरों ने अपने उत्पादों की प्रस्तुति दी। देशभर से आए नए और स्थापित ब्रांडों ने बड़ी संख्या में खरीदारों को आकर्षित किया।प्रदर्शनी में मुंबई, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, जयपुर, कोटा, बनारस और लखनऊ के डिजाइनरों और बुनकरों के स्टॉल लगाए गए थे, जिनमें परिधान, आभूषण, नेल आर्ट, स्किन केयर और इत्र जैसी विविध पेशकशें शामिल रहीं। आगामी त्योहारी सीजन को देखते हुए लखनऊ के नामचीन लोगों ने बड़ी संख्या में पहुँचकर जमकर खरीदारी की।इस अवसर को और भी खास बना दिया चैप्टर की वरिष्ठ उपाध्यक्ष सिमरन साहनी, स्वाति मोहन, स्मृति गर्ग, वनिता यादव, पूर्व अध्यक्ष अंजू नारायण, विभा अग्रवाल, आरुषि टंडन और स्वाति वर्मा की उपस्थिति ने। प्रदर्शनी की अध्यक्षता शमा गुप्ता और मिताली ओसवाल ने की। आयोजन में समाजवादी महिला सभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष जूही सिंह और भाजपा के वरिष्ठ नेता सुधीर हलवासिया विशेष रूप से उपस्थित रहे।

छांगुर की रिमांड अर्जी पर 28 जुलाई को होगी सुनवाई, ईडी ने मांगी है सात दिन की कस्टडी

लखनऊ। अवैध धर्मांतरण के आरोपी छांगुर और उसके सहयोगी नवीन रोहरा की कस्टडी रिमांड पर आगामी 28 जुलाई को सुनवाई होगी। प्रवर्तन निदेशालय ने बुधवार को छांगुर और नवीन को सात दिन की कस्टडी रिमांड पर देने का अदालत से अनुरोध किया था। रिमांड पर लेने के बाद दोनों से विदेशी फंडिंग और संपत्तियों के बारे में पूछताछ की जानी है। ईडी ने छांगुर और नवीन के खिलाफ प्रोडक्शन अर्जी भी दी है। ईडी के विशेष न्यायाधीश ने इस अर्जी पर सुनवाई के लिए 28 जुलाई की तारीख तय की है। बताते चलें कि छांगुर के गैंग ने दस बीस नहीं डेढ़ सौ से ज्यादा मासूम हिंदू लड़कियों को लव जिहाद, धमकी व अन्य चालबाजियों के जरिए इस्लाम में धर्मांतरित किया और उन्हें खाड़ी देशों में भेजा। राज्य के अलग-अलग जिलों से आए पीड़ितों और उनके परिजनों ने मंगलवार को लखनऊ में प्रेसवार्ता के जरिए छांगुर गैंग पर ये आरोप लगाया था।

जेबकतरों के गैंग का पर्दाफाश, मुठभेड़ में एक घायल, 25 हजार नकद व अवैध असलहा बरामद

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। महानगर क्षेत्र में जेब काटने की बढ़ती घटनाओं पर लगाम लगाने के क्रम में स्थानीय पुलिस को बुधवार देर रात बड़ी सफलता मिली। मुखबिर की सूचना पर चेकिंग अभियान के दौरान पुलिस टीम की बदमाशों से मुठभेड़ हो गई, जिसमें एक जेबकतरा गोली लगने से घायल हो गया जबकि उसका एक साथी अंधेरे का लाभ उठाकर फरार हो गया।जानकारी के अनुसार, थाना क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि फर्रुखाबाद निवासी जेबकतरे, जो लखनऊ के विभिन्न क्षेत्रों में जेब काटने की वारदातों को अंजाम देते हैं, दो मोटरसाइकिलों पर सवार होकर गाजीपुर की ओर से बादशाह नगर की ओर आ रहे हैं। पुलिस टीम ने सौमित्र वन के आगे बंधे के पास चेकिंग अभियान तेज कर दिया।कुछ ही देर में दो मोटरसाइकिलों पर सवार चार

संदिग्ध तेज रफ्तार में आते हुए दिखे। पुलिस द्वारा रुकने का इशारा करने पर एक बाइक सवार दो बदमाश पीछे मुड़कर गाजीपुर की ओर भाग गए। दूसरी बाइक पर सवार दोनों ने भागने का प्रयास किया लेकिन बाइक फिसल जाने से गिर पड़े और पैदल भागने लगे। इस पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर एक को पकड़ने का प्रयास किया, तभी उसने फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने आत्मरक्षा में एक राउंड फायर किया जिससे वह घायल होकर गिर गया। दूसरा बदमाश मौके से फरार हो गया।पकड़े गए घायल बदमाश की पहचान कुलदीप पुत्र राकेश निवासी मेहरूपुर रावी, थाना कमलगंज, फर्रुखाबाद के रूप में हुई है। उसके पास से 25 हजार रुपये नकद, एक अवैध .315 बोर तमंचा, दो जिंदा और एक खोखा कारतूस तथा बिना नंबर प्लेट की स्पोर्ट्स बाइक बरामद हुई है। पूछताछ में उसने जेबकतरी की कई घटनाओं को अंजाम देना स्वीकार किया और बताया कि 19 जुलाई को भी महानगर थाना क्षेत्र में उसने जेब काटी थी।पुलिस मुठभेड़ में घायल हुए बदमाश को इलाज के लिए भाउराव देवरस अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार, कुलदीप के खिलाफ लखनऊ सहित विभिन्न जिलों में लगभग 17 मुकदमे दर्ज हैं और वह पूर्व में आगरा, शाहजहांपुर व हरदोई जनपद से जेल भी जा चुका है।पुलिस फरार बदमाश की तलाश में दबिश दे रही है और अन्य विधिक कार्यवाही प्रचलित है।

जगदीप धनखड़ ने जो टेंशन ममता बनर्जी को दी थी वही मोदी को भी देने चले थे

जगदीप धनखड़ का राजनीतिक सफर भारतीय लोकतंत्र में सत्ता और संवैधानिक दायित्वों के टकराव का एक दिलचस्प उदाहरण बन गया है। पहले पश्चिम बंगाल के राज्यपाल के रूप में और फिर उपराष्ट्रपति के रूप में उनका कार्यकाल राजनीतिक विवादों और विचारधारात्मक टकरावों से भरा रहा। 2019 में जब जगदीप धनखड़ को पश्चिम बंगाल का राज्यपाल नियुक्त किया गया, तब से ही उनका कार्यकाल ममता बनर्जी सरकार के साथ लगातार टकरावों से भरा रहा। वह विधानसभा की कार्यवाही से लेकर विश्वविद्यालयों के संचालन तक, हर मोर्चे पर राज्य सरकार पर सवाल उठाते रहे। उन्होंने ममता सरकार की नीतियों और प्रशासनिक फैसलों पर सार्वजनिक रूप से टिप्पणियाँ की थीं। यह सब राज्यपाल के संवैधानिक व्यवहार से भिन्न था। धनखड़ राज्यपाल रहते हुए बार-बार पश्चिम बंगाल सरकार पर संवैधानिक उल्लंघन, प्रशासनिक पारदर्शिता की कमी और कानून-व्यवस्था की स्थिति पर सवाल उठाते रहे। ममता बनर्जी ने इस पर पलटवार करते हुए उन्हें "बीजेपी का एजेंट" कहा और यह आरोप लगाया कि वह अपने संवैधानिक दायरे से बाहर जाकर काम कर रहे हैं। मगर तब भाजपा और केंद्र सरकार ने हर बार धनखड़ का खुला बचाव किया और ममता बनर्जी की नाराज़गी को राजनीतिक दुर्भावना बताया था।

2022 में जब जगदीप धनखड़ देश के उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति बने तो यह भाजपा के लिए एक रणनीतिक जीत मानी गई, क्योंकि पार्टी राज्यसभा में एक सख्त और केंद्र के अनुकूल संचालनकर्ता की उम्मीद कर रही थी। लेकिन कुछ ही समय में यह स्पष्ट होने लगा कि धनखड़ इस भूमिका को केवल एक औपचारिक दायरे तक सीमित नहीं रखना चाहते थे। उन्होंने राज्यसभा की गरिमा की रक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उन्होंने कई बार कार्यवाही में हस्तक्षेप करते हुए भाजपा सदस्यों तक को संयम की सलाह दी। उन्होंने सार्वजनिक मंचों से केंद्रीय मंत्रियों की उपस्थिति में कई ऐसे बयान दिये जोकि सरकार की नीतियों के विपरीत लगते थे। संसद में विपक्ष को बोलने का मौका देने की उनकी प्रतिबद्धता ने भी केंद्र सरकार को असहज किया। जगदीप धनखड़ ने समय-समय पर न्यायपालिका को लेकर भी सार्वजनिक रूप से कई तरह की टिप्पणियां कीं। इससे केंद्र सरकार असहज होने लगी। कई रिपोर्टों में यह भी सामने आया था कि उनकी राय प्रधानमंत्री कार्यालय और गृह मंत्रालय से मेल नहीं खा रही थी।

इस सबके चलते वह भाजपा, जो कभी ममता बनर्जी द्वारा लगाए गए आरोपों को सिरे से खारिज करती थी, अब खुद वैसी ही स्थिति में आ गई थी। अब धनखड़ ₹अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जा रहे हैं₹, ₹संविधान का मनमाना अर्थ निकाल रहे हैं₹, जैसे पुराने आरोप नए संदर्भ में भाजपा की तरफ से सुनाई देने लगे थे। पार्टी के अंदरूनी हलकों से पहले भी इस तरह की खबरें आई थीं कि सरकार और उपराष्ट्रपति के बीच समन्वय नहीं बन पा रहा है। अंततः इस असहमति की परिणति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के रूप में हुई, जो यह दिखाता है कि संवैधानिक स्वतंत्रता तब तक ही सहनीय है, जब तक वह सत्ता के हितों के विरुद्ध न जाए। देखा जाये तो जगदीप धनखड़ के दो कार्यकाल- एक बार राज्यपाल के रूप में ममता बनर्जी को असहज करना और फिर उपराष्ट्रपति के रूप में केंद्र सरकार को चुनौती देना, दिखाता है कि सत्ता कभी भी किसी संवैधानिक पदाधिकारी की 'निष्पक्षता' को लंबे समय तक बर्दाश्त नहीं कर पाती। यह मामला भारत के लोकतंत्र में संवैधानिक मर्यादाओं, संस्थागत स्वायत्तता और राजनीतिक हस्तक्षेप के बीच के जटिल रिश्तों को भी उजागर करता है। जगदीप धनखड़ का राजनीतिक सफर इसका सबसे सटीक उदाहरण है।

दूसरी ओर विपक्ष का दोहरापन भी देखने लायक है। हम आपको याद दिला दें कि विपक्षी दलों ने 10 दिसंबर को राज्यसभा सचिवालय में प्रस्तुत किए गए अविश्वास प्रस्ताव के नोटिस में जगदीप धनखड़ पर तमाम आरोप लगाये थे। यही नहीं राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे अक्सर आरोप लगाते रहे हैं कि धनखड़ उन्हें सदन में बोलने नहीं देते। वहीं जयराम रमेश ने कहा था कि धनखड़ एक निष्पक्ष अंपायर की तरह नहीं बल्कि सरकार के चीयरलीडर की तरह व्यवहार करते हैं। तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी ने तो संसद परिसर में ही जगदीप धनखड़ की मिमिक्री की थी और सारे विपक्षी सांसद वह सब देखकर ठहाके लगा रहे थे। यही नहीं, कल्याण बनर्जी की ओर से की जा रही मिमिक्री का राहुल गांधी वीडियो बना रहे थे। लेकिन हैरानी की बात है कि वही सब विपक्षी नेता आज धनखड़ के प्रति अपने रुख में अचानक बदलाव लाते हुए उन्हें किसान पुत्र बता रहे हैं और कह रहे हैं कि उनके साथ अन्याय किया गया है। विपक्ष के नेताओं को समझना होगा कि जनता की याददाश्त कमजोर हो सकती है, लेकिन इतनी भी नहीं कि वो इतनी जल्दी भूल जाए कि विपक्षी दल धनखड़ के इस्तीफे से पहले तक उनके बारे में क्या-क्या कह रहे थे।

ऑनलाइन भुगतान के मामले में भारत के यूपीआई ने अमेरिका के वीजा को पीछे छोड़ा

वैश्विक स्तर पर इस कम्पनी को चुनौती देने के उद्देश्य से भारत ने वर्ष 2016 में अपना पेमेंट सिस्टम, यूपीआई के रूप में, विकसित किया और वर्ष 2025 आते आते भारत का यूपीआई सिस्टम आज पूरे विश्व में प्रथम स्थान पर आ गया है।

प्रह्लाद सबनानी

हाल ही के समय में भारत, विभिन्न क्षेत्रों में, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नित नए रिकार्ड बना रहा है। कुछ क्षेत्रों में तो अब भारत पूरे विश्व का नेतृत्व करता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत ने बैंकिंग व्यवहारों के मामले में तो जैसे क्रांति ही ला दी है। अभी हाल ही में आर्थिक क्षेत्र में बैंकिंग व्यवहारों के मामले में भारत के युनिफाईड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) ने अमेरिका के 67 वर्ष पुराने वीजा एवं मास्टर कार्ड के पेमेंट सिस्टम को प्रतिदिन होने वाले आर्थिक व्यवहारों की संख्या के मामले में वैश्विक स्तर पर पीछे छोड़ दिया है। वैश्विक स्तर पर अब भारत विश्व का सबसे बड़ा रियल टाइम पेमेंट नेटवर्क बन गया है।

भारत में वर्ष 2016 के पहले ऑनलाइन पेमेंट का मतलब होता था केवल वीजा और मास्टर कार्ड। वीजा और मास्टर कार्ड को चलाने वाली अमेरिका की ये दोनों कंपनिया पूरी दुनिया में ऑनलाइन पेमेंट का एकाधिकार रखती थीं। वीजा की शुरुआत, अमेरिका में वर्ष 1958 में हुई थी और धीमे धीमे यह कंपनी 200 से अधिक देशों में फैल गई और ऑनलाइन भुगतान के मामले में पूरे विश्व पर अपना एकाधिकार जमा लिया। वैश्विक स्तर पर इस कम्पनी को चुनौती देने के उद्देश्य से भारत ने वर्ष 2016 में अपना पेमेंट सिस्टम, यूपीआई के रूप में, विकसित किया और वर्ष 2025 आते आते भारत का यूपीआई सिस्टम आज पूरे विश्व में प्रथम स्थान पर आ गया है। यूपीआई पेमेंट सिस्टम के माध्यम से ऑनलाइन बैंकिंग व्यवहार चुटकी बजाते ही हो जाते है। आज सब्जी वाले, चाय वाले, सहायता प्राप्त करने वाले नागरिक एवं छोटी छोटी राशि के आर्थिक व्यवहार करने वाले नागरिकों के लिए यूपीआई सिस्टम ने ऑनलाइन बैंकिंग व्यवहार करने को बहुत आसान बना दिया है। आज भारत के यूपीआई सिस्टम के माध्यम से प्रतिदिन 65 करोड़ से अधिक व्यवहार (1800 करोड़ से अधिक व्यवहार प्रति माह) हो रहे हैं जबकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वीजा कार्ड से माध्यम से प्रतिदिन 63.9 करोड़ व्यवहार हो रहे हैं। इस प्रकार, भारत के यूपीआई ने दैनिक व्यवहारों के मामले में 67 वर्ष पुराने अमेरिका के वीजा को पीछे छोड़ दिया है। भारत में केंद्र सरकार की यह सबसे उल्लेखनीय उपलब्धियों में से एक है। भारत अब इस मामले में पूरी दुनिया का लीडर बन गया है। भारत ने यह उपलब्धि केवल 9 वर्षों में ही प्राप्त की है। विश्व बैंक एवं अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भी भारत के यूपीआई सिस्टम की अत्यधिक प्रशंसा करते हुए कहा है कि यह नई तकनीकी का चमत्कार है एवं यह सिस्टम अत्यधिक प्रभावशाली है। भारत का यूपीआई सिस्टम भारत को वैश्विक बैंकिंग नक्शे पर एक बहुत बड़ी शक्ति बना सकता है।

भारत में यूपीआई की सफलता की नींव दरअसल केंद्र सरकार द्वारा चलाई गई कई आर्थिक योजनाओं के माध्यम से पड़ी है। समस्त नागरिकों के आधार कार्ड बनाने के पश्चात जब आधार कार्ड को नागरिकों के बैंक खातों से जोड़ा गया और केंद्र सरकार द्वारा देश के गरीब वर्ग की सहायता के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत सहायता राशि को सीधे ही नागरिकों के बैंक खातों में जमा किया जाने लगा तब एक सुदृढ़ पेमेंट सिस्टम की आवश्यकता महसूस हुई और ऑनलाइन पेमेंट सिस्टम के रूप में यूपीआई का जन्म वर्ष 2016 में हुआ। यूपीआई को आधार कार्ड एवं प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत बैंकों में खोले गए खातों से जोड़ दिया गया। नागरिकों के मोबाइल क्रमांक और आधार कार्ड को बैंक खातों से जोड़कर यूपीआई सिस्टम के माध्यम से आर्थिक एवं लेन-देन व्यवहारों को आसान बना दिया गया। भारत में आज लगभग 80 प्रतिशत युवा एवं बुजुर्ग जनसंख्या का विभिन्न बैंकों के खाता खोला जा चुका है। यूपीआई के माध्यम से केवल कुछ ही मिनटों में एक बैंक खाते से दूसरे बैंक खाते में राशि का अंतरण किया जा सकता है। ऑनलाइन पेमेंट सिस्टम के रूप में यूपीआई के आने के बाद तो अब भारत के नागरिक एटीएम कार्ड, डेबिट कार्ड एवं क्रेडिट कार्ड को भी भूलने लगे हैं।

भारत से बाहर अन्य देशों में रहने वाले भारतीय मूल के नागरिक भी अपनी बचत को यूपीआई के माध्यम से अपने परिवार के सदस्यों के बैंक खातों में ऑनलाइन राशि का अंतरण चंद मिनटों में कर सकते हैं। पूर्व में, बैंकिंग चेनल के माध्यम से एक देश के बैंक खाते से दूसरे देश के बैंक खाते में राशि का अंतरण करने में 2 से 3 दिन का समय लग जाता था तथा विदेशी बैंकों द्वारा इस प्रकार के अंतरण राशि पर खर्च भी वसूला जाता है। अब यूपीआई के माध्यम से कुछ ही मिनटों में राशि एक देश के बैंक खाते से दूसरे देश के बैंक खाते में अंतरित हो जाती है। इससे भारतीय रुपए का अंतरराष्ट्रीयकरण भी हो रहा है। विश्व के अन्य देशों में पढ़ाई के लिए गए छात्रों को अपने खर्च चलाने एवं विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों में फीस की राशि यूपीआई सिस्टम से जमा कराने में बहुत आसानी होगी। जिस भी देश में भारतीय मूल में नागरिकों की संख्या अधिक है उन देशों में भारत के यूपीआई सिस्टम को लागू करने के प्रयास किए जा रहे हैं। आज 13,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि इन देशों में निवास कर रहे भारतीय मूल के नागरिकों द्वारा प्रतिवर्ष भारत में भेजी जा रही हैं। वैश्विक स्तर पर भारत के यूपीआई सिस्टम की स्वीकार्यता बढ़ने से अमेरिकी डॉलर पर भारत की निर्भरता भी कम होगी, इससे भारतीय रुपए की मांग अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ेगी और डीडोलराईजेशन की प्रक्रिया तेज होगी।

भारत ने यूपीआई के प्रतिदिन होने वाले व्यवहारों की संख्या के मामले में आज अमेरिका, चीन एवं पूरे यूरोप को पीछे छोड़ दिया है। वर्तमान में भारत के यूपीआई सिस्टम का विश्व के 7 देशों यथा यूनाइटेड अरब अमीरात, फ्रान्स, ओमान, मारीशस, श्रीलंका, भूटान एवं नेपाल में उपयोग हो रहा है। इन देशों में रहने वाले भारतीय मूल के नागरिक यूपीआई के माध्यम से सीधे ही भारत के साथ आर्थिक व्यवहार कर रहे हैं। दक्षिणपूर्वीय देशों यथा मलेशिया, थाइलैंड, फिलिपींस, वियतमान, सिंगापुर, कम्बोडिया, दक्षिण कोरिया, जापान, ताईवान एवं हांगकांग आदि भी भारत के यूपीआई सिस्टम के उपयोग को बढ़ावा देने के प्रयास कर रहे हैं। यूनाइटेड किंगडम, आस्ट्रेलिया एवं यूरोपीयन देशों ने भी भारत के यूपीआई सिस्टम को अपने देश में लागू करने की इच्छा जताई है। हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की साइप्रस एवं नामीबिया यात्रा के दौरान इन दोनों देशों ने भारत के यूपीआई सिस्टम को अपने देश में शुरू करने के लिए भारत से निवेदन किया है। पूरे विश्व में अब कई देशों का विश्वास भारत के यूपीआई सिस्टम पर बढ़ रहा है और यदि ये देश भारत के यूपीआई सिस्टम को अपने देश में लागू कर देते हैं तो इससे भारत में विदेशी निवेश की राशि में भी तेज गति से वृद्धि होने की सम्भावना बढ़ जाएगी।

अजब-गजब

पिता की उम्र के शख्स को दिल दे बैठी 19 साल की लड़की, रचा ली शादी, बोली- उसके बिना अधूरी हूं

यह अनोखी लव स्टोरी पोलैंड के कपल इया और रफा की है, जिन्होंने 22 साल से एजगैप के बावजूद एक-दूसरे से शादी रचाई और आज खुशहाल जिंदगी बिता रहे हैं। इया ने हाल ही में अपनी शादी की छठी सालगिरह मनाई, और अपने पति रफा के साथ एक खूबसूरत वीडियो शेयर किया। उन्होंने लिखा, लोग अक्सर हमें 'बाप-बेटी की जोड़ी' कहकर ताने मारते हैं, पर मुझे अब उन बातों से कोई फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि मैं रफा के बिना अधूरी हूं।

41 वर्षीय रफा से इया की पहली मुलाकात तब हुई थी, जब वह सिर्फ 19 साल की थीं। लोगों को उनका रिलेशनशिप काफी अटपटा लगा, लेकिन इया इसे 'एक सपना सच होने' जैसा बताती हैं। उनकी हमेशा से ही जल्दी शादी करके मां बनने की चाहत थी, और रफा भी अपनी फैमिली चाहते थे। इस तरह उनकी जरूरतें उन्हें एक-दूसरे के करीब लाईं।

इया कहती हैं कि पहले तो हमें लोग क्या कहेंगे इस बात को लेकर काफी डर था क्योंकि रफा उनसे 22 साल बड़े थे, लेकिन फिर उन्होंने अपने दिल की सुनी। अब कपल के बच्चे हैं और वे अपने फैसले पर गर्व करते हैं। इया और रफा की कहानी बताती है कि अगर प्यार सच्चा है, तो समाज की राय कोई मायने नहीं रखती।

कपल के वीडियो पर कुछ नेटिजन्स उनके रिलेशनशिप की आलोचना कर रहे हैं, तो कुछ बधाई दे रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट किया, किसी को जज मत कीजिए। मैं 60 की हूं और मेरे हस्बैंड 82 के हैं। हम दोनों 36 साल से साथ हैं। दूसरे ने कहा, अगर आपकी बेटी ऐसा करती तो, आप क्या करतीं। एक अन्य यूजर ने लिखा, बाप-बेटी की जोड़ी लग रही है। एक और यूजर ने कमेंट किया, दोनों को बधाई। हेटर्स की बातों को नजरअंदाज करें, और अपनी लाइफ खुलकर जिएं।

ब्लॉग

जब बिहार में पूर्वी भारत के विकास की अंगड़ाई आकार लेगी तो भाजपा की सरकारें स्वत: बनने लगेंगी

कमलेश पांडे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मोतिहारी, बिहार के गांधी मैदान में एक चुनाव पूर्व रैली कर 7217 करोड़ रुपये की विभिन्न लोकलुभावन परियोजनाओं की सौगात दी। देखा जाए तो आगामी अक्टूबर-नवम्बर माह में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले बीते महज 45 दिनों यानी डेढ़ महीने में उनका यह तीसरा बिहार दौरा है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले उन्होंने 20 जून को सीवान में और 30 मई को बिक्रमगंज (रोहतास) में उनकी रैली हुई थी, जिस दौरान भी उन्होंने उन इलाकों में हजारों करोड़ रूपये के विकास कार्यों की शुरुआत हुई थी। उम्मीद है कि आने वाले दिनों में उनके दौरे और बढ़ेंगे, जिससे साफ है कि यूपी में लगातार दूसरी पारी खेल रही भाजपा की देशव्यापी सफलता के लिए बिहार विस चुनाव अब काफी अहम हो चुका है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मानना है कि जब बिहार में पूर्वी भारत के विकास की अंगड़ाई आकार लेगी तो पड़ोसी राज्यों में भाजपा की सरकारें खुद-ब-खुद बनती चली जाएंगी। बस, थोड़ी मेहनत करनी होगी, जिससे वो कतई नहीं हिचकते। दरअसल, इसकी दो वजहें हैं- पहली, सियासत में यूपी-बिहार को महाराष्ट्र-गुजरात, राजस्थान-मध्यप्रदेश, हरियाणा-पंजाब, पश्चिम बंगाल-असम, कर्नाटक-आंध्रप्रदेश और केरल-तमिलनाडु आदि की तरह ही जुड़वा भाई समझा जाता है। दूसरी, भाजपा की सबसे पुरानी गठबंधन सहयोगी पार्टी जदयू अपनी प्रतिस्पर्धी राजनीतिक पार्टी राजद से जमीनी सियासी चुनौतियों का सामना कर रही है, जिससे ब्रेक के बाद भाजपा के सुनहरे राजनीतिक सपने भी प्रभावित होते आए हैं। यही वजह है कि यहां पर एनडीए के साथ-साथ भाजपा का भी मजबूत होना बेहद जरूरी है।

चूंकि हाल के वर्षों में पहले हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा की फतह, फिर महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत, ततपश्चात दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा की फतह और उसके बाद उड़ीसा विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत के मुख्य सूत्रधार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही रहे हैं, इसलिए उन्होंने आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा नीत एनडीए की फतह के लिए अपना होमवर्क शुरू ही नहीं किया, बल्कि उसे तेज कर दिया है। यह इसलिए भी जरूरी है कि अगले वर्ष पश्चिम बंगाल में भी विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, जिसे जीतना भाजपा के लिए बहुत जरूरी है। ऐसा इसलिए कि यह जनसंघ (अब भाजपा) के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी का गृह प्रदेश के साथ साथ भारत की सांस्कृतिक राजधानी कोलकाता को प्रभावित करने वाला प्रदेश भी है। अभी हाल ही में बंगलादेश (पूर्वी पाकिस्तान) से जो चुनौती मिली या मिल रही है, उससे पश्चिम बंगाल में भाजपा का मजबूत होना अब राष्ट्रीय जरूरत बन चुकी है।

वहीं, वर्ष 2026 में ही असम विधानसभा के चुनाव भी होंगे, जिसमें भाजपा के कद्दावर मुख्यमंत्री हिमंता विश्वशर्मा की सरकार को रिपीट करवाना भी भाजपा नेतृत्व के लिए बेहद आवश्यक है। क्योंकि पूर्वोत्तर में भाजपा और एनडीए की बढ़त के पीछे असम की सियासत का बड़ा योगदान है। अपने देखा होगा कि तमाम तैयारियों के बावजूद भाजपा विगत झारखंड विधानसभा चुनाव में एक छोटी क्षेत्रीय पार्टी झामुमो के हाथों शिकस्त खा चुकी थी, क्योंकि उसे इंडिया गठबंधन का मजबूत साथ मिल गया। इसलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्वी भारत के सभी राज्यों में भाजपा को मजबूत करने की कमान अपने हाथ में ले ली है। क्योंकि 'मोदी है तो जीत मुमकिन है' वाला सियासी फॉर्मूला प्रायः हर जगह पर हिट हो जाता है। बता दें कि देश के पूर्वी राज्यों में बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल के अलावा उत्तर-पूर्व के सात बहन राज्यों की भी गणना की जाती है, जिसमें असम का राजनीतिक स्थान महत्वपूर्ण है। माना जाता है कि पूर्वी भारत के 11 राज्य देश के सर्वाधिक पिछड़े और गरीब राज्यों में से एक हैं, जहां के लोगों का जीवन स्तर भी अपेक्षाकृत निम्न है। इसलिए भाजपा की सकारात्मक पहल यहां रंग ला सकती है।

यही वजह है कि बिहार की सियासी यात्राओं में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूर्वी भारत के विकास के सुनहरे सपने दिखा रहे हैं। पीएम मोदी ने मोतिहारी में दो टूक कहा- हमारा संकल्प है कि आने वाले समय में जैसे पश्चिमी भारत में मुंबई है, वैसे ही पूरब में मोतिहारी को बनाना है। पूर्वी भारत के विकास के लिए बिहार को विकसित बनाना है। इस दौरान उन्होंने एनडीए सरकार के विकास कार्यों को गिनाते हुए कहा कि आज बिहार में तेजी से विकास का काम हो रहा है, क्योंकि केंद्र और बिहार में एनडीए की डबल इंजन सरकार है।

पीएम मोदी ने आगे कहा कि जैसे अवसर गुरुग्राम में हैं, वैसे ही अवसर गया जी में भी बनें। पुणे की तरह पटना में भी औधोगिक विकास हो। सूरत की तरह ही संथाल परगना का भी विकास हो। जयपुर की तरह जलपाईगुड़ी और जाजपुर में भी टूरिज्म के नए रिकॉर्ड बने। बंगलुरू की तरह वीरभूम के लोग भी आगे बढ़ें। ये इसलिए संभव है क्योंकि केंद्र और राज्य में बिहार के लिए काम करने वाली सरकार है। देखा जाए तो पूर्वी भारत के किसी भी राज्य में पीएम मोदी जाएं, लगभग एक समान बातें दोहराते हैं, ताकि पूर्वी भारत भी उत्तर भारत, दक्षिण भारत और पश्चिम भारत की तरह ही समग्र विकास के पैमाने पर खरा उतर सके।

एक आंकड़ा देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि जब केंद्र में कांग्रेस और आरजेडी की सरकार थी, तो यूपीए के 10 साल में बिहार को सिर्फ दो लाख करोड़ रुपये के आसपास मिले थे। लेकिन जब 2014 में आपने मुझे सेवा करने का अवसर दिया तो केंद्र में आने के बाद मैंने बिहार से बदला लेने वाली उस पुरानी राजनीति को भी समाप्त कर दिया। पिछले साढ़े 11 साल में, एनडीए के 10 वर्षों में बिहार के विकास के लिए जो राशि दी गई है, वो पहले से कईं गुना ज्यादा है। बिहार में ये पैसा जन कल्याण और विकास के काम आ रहा है।

पीएम मोदी ने कटाक्ष करते हुए कहा कि आरजेडी और कांग्रेस के राज में बिहार में विकास पर ब्रेक लगा हुआ था। लेकिन बिहार असंभव को भी संभव बनाने वाले वीरों की धरती है। चूंकि आप लोगों ने इस धरती को राजद और कांग्रेस की खतरनाक बेड़ियों से मुक्त किया, असंभव को संभव बनाया। इसलिए यह उसी का परिणाम है कि आज बिहार में गरीब कल्याण को योजनाएं सीधे गरीबों तक पहुंच रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार के मोतिहारी से एनडीए के चुनाव अभियान को एक कदम और आगे बढ़ाया है। यहां पर लाखों लोगों की मौजूदगी में उन्होंने ₹फिर एक बार एनडीए सरकार₹ का नारा बुलंद किया। वहीं, भाषण सुनने पहुंची महिलाओं से मुखातिब होते हुए नरेंद्र मोदी ने कहा कि राज्य को आगे बढ़ाने में उनकी बड़ी भूमिका है। यह भी याद दिलाया कि नीतीश कुमार ने जीविका के माध्यम से महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए बहुत कुछ किया। केंद्र सरकार भी अधिक से अधिक महिलाओं को लखपति दीदी बनाने के लिए संकल्पित है।

नरेंद्र मोदी ने आगे कहा कि बिहार को आगे बढ़ाने में सबसे बड़ी ताकत बिहार के माता बहनों की है। एनडीए द्वारा उठाए जा रहे एक-एक कदम का महत्व बिहार की माताएं बहने अच्छी तरह समझती हैं। इतनी बड़ी संख्या में माताएं बहनें मुझे आशीर्वाद देने आई हैं। यह बिहार की बढ़ती ताकत में उनकी भागीदारी का संकेत है। पहले ना बैंकों में उनका ना खाता होता था, ना कोई घुसने देता था। आपको 10 रुपए भी छुपा कर रखना पड़ता था। इसलिए मोदी ने गरीब के लिए बैंकों के दरवाजे खुलवा दिए और अभियान चलाकर जनधन खाते खुलवाए। इसका सबसे बड़ा लाभ दलित परिवार की महिलाओं को मिला और आज 3.5 करोड़ जनधन खाते हैं। सरकारी योजनाओं का पैसा सीधा इन खातों में जा रहा है।

इस प्रकार देखा जा रहा है कि प्रधानमंत्री के बार-बार बिहार दौरे से विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर राजनीतिक माहौल भी निरंतर गर्म होता जा रहा है। चूंकि राज्य में मुख्य मुकाबला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) और इंडी महागठबंधन (राजद, कांग्रेस, वाम दल) के बीच है। लेकिन, जन सुराज के नेता प्रशांत किशोर भी पूरी ताकत से चुनावी मैदान में उतरने की तैयारी में जुटे हुए हैं। इससे दोनों बड़े राजनीतिक समूहों को उम्मीद है कि जनसुराज को जितने अधिक वोट मिलेंगे, उनकी जीत की संभावना उतनी अधिक रहेगी। इसके अलावा, जनसुराज के मजबूती से उभरने की स्थिति में उनपर डोरे डालकर सत्ता तक पहुंचना आसान हो जाएगा। बता दें कि राज्य में एनडीए की ओर से बीजेपी और जेडीयू एक बार फिर पारस्परिक गठबंधन में चुनाव लड़ रहे हैं। जिससे नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता और नीतीश कुमार के परिपक्व सियासी अनुभव को मिलाकर वे दोनों दल सत्ता में दमदार वापसी का दावा कर रहे हैं। वहीं, ओपिनियन पोल्स के अनुसार भी एनडीए को अभी बढ़त दिखाई जा रही है, खासकर शहरी क्षेत्रों और महिला मतदाताओं में। हालांकि, सीटों का आंकड़ा 2015 और 2020 की तुलना में थोड़ा कमतर भी आंका जा रहा है।

दूसरी ओर इंडी महागठबंधन की अगुवाई कर रहे राजद सुप्रीमो तेजस्वी यादव कांग्रेस और वामपंथी दलों को साधते हुए रोजगार, शिक्षा, भ्रष्टाचार और अपराध जैसे मुद्दों को लेकर लगातार आक्रामक चुनाव प्रचार कर रहे हैं। यही वजह है कि कुछ सर्वे में उन्हें भी अच्छा समर्थन मिलता दिखाई दे रहा है, खासकर युवाओं और ग्रामीण मतदाताओं में। हालांकि, आप के इंडिया गठबंधन से अलग होने और बिहार में उसके अकेले चुनाव लड़ने की घोषणा से राजद-कांग्रेस की बेचैनी बढ़ी है। वहीं, एआईएमआईएम से राजद-कांग्रेस की यदि चुनावी पटरी नहीं बैठी तो वह भी चुनावी ताल ठोकेगी, जिससे धर्मनिरपेक्ष वोटों का बंटवारा तय है। भाजपा यही चाहती भी है। जबकि प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी पहली बार बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने जा रही है। हालांकि उन्हें सीमित सीटों पर समर्थन मिल सकता है, फिलहाल राज्यभर में कोई व्यापक लहर उनके पक्ष में नजर नहीं आ रही है। हालांकि, श्री किशोर मशहूर सियासी रणनीतिकार रहे हैं, जो चुनाव के अंतिम क्षणों में हवा का रुख मोड़ने में माहिर समझे जाते हैं। चूंकि भाजपा, कांग्रेस, जदयू, टीएमसी, आप के अलावा कई क्षेत्रीय पार्टियों के वे और उनके लोग सलाहकार रहे हैं, इसलिए अपने विशालकाय सियासी रणनीतिक अनुभवों से वो बिहार में मजबूती पूर्वक अपनी जड़ें जमा चुके हैं। यदि बिहार के सवर्णों ने एकजूट होकर प्रशांत किशोर के जनसुराज को वोट दे दिया तो एनडीए और इंडी गठबंधन के कांटे की टक्कर में वो 75-100 से ज्यादा सीटें निकाल सकते हैं। ऐसा इसलिए कि बिहार के सवर्ण विगत 35 सालों से यादव-लवकुश समीकरण के बीच सत्ता की अदला-बदली और बेलगाम अपराध-भ्रष्टाचार से ऊब चुके हैं, इसलिए प्रशांत किशोर में उन्हें अपना भविष्य नजर आ रहा है।

ऑपरेशन तो किया मगर पेट के अंदर छोड़ दी ऐसी चीज, जिससे महिला की हो गई मौत...

अब लगा 1200000 का जुर्माना

आर्यावर्त संवाददाता

गाजीपुर। डॉक्टरों को भगवान का ही रूप माना जाता है। मगर कभी-कभी हमारी जान बचाने वाले डॉक्टर भी लापरवाही कर जाते हैं, जिससे मरीज की जान पर बन आती है। ऐसा ही मामला उत्तर प्रदेश के गाजीपुर से सामने आया है। यहां 2017 में एक गर्भवती महिला का ऑपरेशन किया गया था। मगर महिला की बाद में तबीयत बिगड़ गई। उसे दूसरे अस्पताल में रेफर किया गया तो पता चला कि पहले अस्ताल के डॉक्टरों ने ऑपरेशन के दौरान महिला के पेट में खून सूखाने का माप छोड़ दिया था।

दूसरे अस्पताल के डॉक्टरों ने उसे बाहर तो निकाल दिया मगर कुछ दिन बाद महिला की मौत हो गई। महिला के पति ने फिर उपभोक्ता

फोरम में इसे लेकर प्रतिवाद दाखिल किया था। जिस पर उपभोक्ता फोरम ने अब उस अस्पताल पर ₹1200000 का जुर्माना लगाया है।

मामला दिलदारनगर के कादरी अस्पताल का है। कादरी अस्पताल में महिला का ऑपरेशन हुआ था। वहां डॉक्टरों ने खून सुखाने का माप महिला के पेट में छोड़ दिया था। तबीयत बिगड़ने पर फिर महिला को शम्मे हुसैनी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहीं पर पहले अस्पताल के डॉक्टरों की करतूत सामने आई।

दिलदारनगर में साल 2017 में कादरी अस्पताल चला करता था। इसके प्रबंधन डॉक्टर मनोज सिंह और प्रबंध निदेशक डॉक्टर एके तिवारी रहे। राम आशीष नामक शख्स की पत्नी को यहां 27 मार्च 2017 के दिन गंभीर हालत में भर्ती करवाया गया। महिला का ऑपरेशन किया गया। उसने एक बेटी को जन्म दिया। मगर उसकी हालत बिगड़ने पर उसे रेफर कर दिया गया। इसके बाद उसका इलाज शम्मे हुसैनी अस्पताल हमीद सेतु के पास कराया गया। उस समय डॉक्टर संजीव कुमार ने जब महिला की जांच की तो पता चला कि उसके पेट में खून सूखने का माप है, जिसे डॉक्टरों ने लापरवाही के चलते छोड़ दिया था। उसे बाहर निकाला गया। मगर कुछ दिन के इलाज के बाद उसकी अस्पताल में ही मौत हो गई।

डॉक्टर मनोज सिंह पर FIR

इसके बाद राम आशीष ने इस मामले में कार्रवाई के लिए सीएमओ, डीएम के साथ ही अन्य जिम्मेदार अधिकारियों को शिकायत पत्र दिया। सीएमओ की जांच में आरोपी की पुष्टि भी हुई और डॉक्टर मनोज सिंह पर एफआईआर दर्ज की गई।

दो महीने में 12 लाख देने का आदेश

वहीं, पीड़ित के द्वारा इस मामले की जिला उपभोक्ता फोरम में शिकायत की गई थी। इस पर आयोग के अध्यक्ष सुजीत श्रीवास्तव ने साक्ष्यों का अवलोकन करने के साथ ही दोनों पक्ष के वकीलों को सुना और यह कंफर्म हुआ कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में ऑपरेशन के बाद में इंफेक्शन के कारण मौत हुई की पुष्टि हुई। जिसके बाद अस्पताल प्रबंधन को दो महीने के अंदर पीड़ित परिवार को 12 लाख रुपये बतौर जुर्माना देने का आदेश दिया।

तेज रफ्तार डंपर की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत, हंगामा

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। तेज रफ्तार डंपर की टक्कर से 19 वर्षीय बाइक सवार अभिषेक उर्फ सूरज यादव की मौत हो गई। हादसे के बाद चालक डंपर लेकर भाग निकाला। हादसे की सूचना पर पुलिस और स्वजन मौके पर पहुंच गए। इसके बाद परिवार वालों ने कार्रवाई की मांग करके शव को उठने से रोक दिया। इससे रमईपुर और नौबस्ता गल्ला मंडी की तरफ दोनों ओर सड़क पर वाहनों की कतार लग गई। हादसा बिधनू थानाक्षेत्र के उरियारा चौराहे के पास हुआ।

उरियारा गांव निवासी महेश यादव प्राइवेट नौकरी करते हैं। परिवार में पत्नी कृष्णा देवी, बेटी सोनी, मोनी और दो बेटे मोनू व अभिषेक थे। भाई मोनू के मुताबिक अभिषेक एलएलबी में प्रवेश लेने के लिए गुरुवार सुबह रमईपुर स्थित एसजे कालेज गया था। वहीं, फीस

पता करने के बाद बाइक से घर लौट रहा था।

उरियारा चौराहे से उसने गांव के लिए बाइक मोड़ी थी, तभी पीछे से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने टक्कर मार दी। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद इलाकाई लोगों ने पीछा करके नौबस्ता सब्जी मंडी के पास डंपर चालक को पकड़कर पुलिस को सौंप दिया। खबर लिखे जाने तक परिवार वालों ने शव को उठने नहीं दिया। कार्रवाई की मांग को लेकर सड़क पर हंगामे के चलते करीब एक घंटे से जाम लगा हुआ है। वहीं, हंगामे की सूचना पर कई थानों का फोर्स और पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंच गए। परिवार वालों को समझाने का प्रयास जारी है।

पबजी खेलते-खेलते बन गई कट्टर... मुजाहिदा बनने का भूत हुआ सवार, बड़ी बहन ने किया ब्रेनवॉश

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा से धर्मांतरण का मामला सामने आया है। यहां दो बहनें धर्मांतरण का शिकार हो गईं। दोनों को एक धर्मांतरण गिरोह के चंगुल से मुक्त कराया गया है। दोनों सगी बहनों की काउंसलिंग की जा रही है। काउंसलिंग के दौरान काउंसलरों को ये पता चला कि छोटी वाली बड़ी बहन से ज्यादा कट्टर है। उसने मुजाहिदा बनने की ठान रखी है।

छोटी बहन का नाम जोया है। धर्मांतरण से पहले उसका कुछ और नाम था। काउंसलरों ने बातचीत की तब जो बातें पता चलीं वो चौंकाने वाली थीं। पता चला कि जोया बालूगंज के इंग्लिश स्कूल में पढ़ती थी। वो 10वीं कक्षा में थी, तभी लॉकडाउन लग गया। इसके बाद पढ़ाई ऑनलाइन होने लगी। इसी दौरान उसे पबजी गेम का चस्का लग गया। उसने पबजी गेम खेलना शुरू

कर दिया।

दोनों बहनें गिरोह के चंगुल में फंसी

मां से उसे गेम खेलने लिए डांट पड़ती थी। वहीं बड़ी बहन तब तक इस धर्मांतरण गिरोह के चंगुल में फंस चुकी थी। जो इस तरह का काम करता था। उसको इस्लाम के प्रति आकर्षण भी हो चुका था। वो छोटी बहन से दिल की बातें कहती थी। गेम खेलते-खेलते छोटी बहन भी धर्मांतरण गिरोह के जाल में फंस गई। वो गेम की जिंदगी को असल में जीना चाहती थी। उसका सच में मन हथियार उठाने का था। बड़ी बहन ने ये बात गिरोह के सदस्यों को बताई।

बड़ी बहन ने कहीं ये बातें

गिरोह के सदस्यों ने उससे पूछा कि उसकी छोटी बहन की उम्र क्या है। इसके बाद उन्होंने उसे कहा कि वो छोटी बहन के बालिग होने का इंतजार करे। छोटी बहन के बालिग होने के बाद बड़ी बहन ने घर छोड़ने का प्लान बनाया। काउंसलरों ने बड़ी बहन से बातचीत की तो उसने उनसे कहा कि हिंदू धर्म में एक ही शादी की जा सकती है, लेकिन उसके चाचा ने दूसरा विवाह कर लिया।

बड़ी बन ने कहा कि इस्लाम में पहले से पता होता है कि पति कई निकाह कर सकता है। काउंसलरों ने उसे समझाया कि उसकी छोटी बहन की चाहत मुजाहिदा बनने की है। जो अपराध है। बता दें कि पुलिस ने इस मामले में अब तक धर्मांतरण गिरोह के 14 लोगों की गिरफ्तारियां की हैं।

महावीर प्रसाद मेमोरियल इंटर कॉलेज में छात्रों ने गुटबाजी कर सीट पर बैठने को लेकर की मारपीट

पटेहरा,मीरजापुर। थाना संतनगर अंतर्गत संतनगर में महावीर प्रसाद मेमोरियल इंटर कालेज में अध्ययन रत कक्षा 10 के दो छात्रों में सीट पर बैठने को लेकर मंगलवार को विवाद हो गया। मारपीट कर गुटबाजी बना डाली।मामला थाना संतनगर पहुंचा जहा बच्चो के भविष्य को देखते हुए सुलह समझौता हो गया था।बृहस्पतिवार को विद्यालय में ही सीट को लेकर पुनः विवाद हुआ गुटबाजी में मारपीट कर लिए।छात्र धर्मेंद्र पाल ने बताया कि सीट पर बैठने को लेकर विवाद हुआ था सुलह समझौता भी हो गया था।विद्यालय के प्राचार्य भोला यादव ने बताया कि दो छात्र धर्मेंद्र और विकास में विवाद हुआ था सुलह भी हो गया था। मारपीट में धर्मेंद्र के नाक से खून निकल आया था और विकास का सर फूट गया था। थानाध्यक्ष संतनगर जितेंद्र सरोज ने बताया कि विवाद सुलह हो गया था।

बाढ़ के पानी में नहाते हुए ले रही थी सेल्फी, तभी फिसला पैर... चंद मिनटों में मौत

आर्यावर्त संवाददाता

गाजीपुर। सेल्फी लेना अब आम सी बात हो गई है। हम कहीं भी जाएं, सेल्फी लेना नहीं भूलते। मगर कई बार ये सेल्फी जानलेवा भी साबित हो जाता है। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में कुछ ऐसा ही हुआ। एक लड़की बाढ़ के पानी में सेल्फी ले रही थी। मगर इस दौरान उसका बैलेंस बिगड़ा। वो फिसलकर गहराई में चली गई। देखते ही देखते मौत के मुंह में समा गई। मामला रेवतीपुर के नकदीलपुर गांव का है।

यहां बाढ़ के पानी में नहा रही एक 15 साल की किशोरी को अपनी सेल्फी लेना महंगा पड़ गया। सेल्फी लेते वक्त उसका पैर अचानक से फिसला और फिर वह गहरे पानी में चली गई। इससे उसकी मौत हो गई।

गाजीपुर जनपद में गंगा के जलस्तर में बढ़ोतरी होने की वजह से बाढ़ की स्थिति बन गई है। ऐसे में

गाजीपुर का रेवतीपुर ब्लाक के करीब आधा दर्जन गांव को गंगा के पानी ने घेर रखा है। जिसके कारण रेवतीपुर ब्लाक का नगदीलपुर, हसनपुरा, वीरउपुर और रामपुर सहित कई गांव की सड़कें, मंदिर और खेती योग्य भूमि गंगा के पानी से भरे हुई है। हालांकि, पिछले दो दिनों से गंगा के जलस्तर में कमी आ रही है। इसी गंगा के पानी ने रेवतीपुर ब्लॉक के नकदिलपुर गांव में स्थित बकसू बाबा मंदिर तक पहुंच गई है। यहां पर मंदिर परिसर में चारों तरफ से बैरिकेडिंग होने के कारण उसमें बाढ़ का पानी ठहर गया है। आसपास के बच्चे उसे स्विमिंग पूल की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं। कई बच्चे उसमें स्नान कर रहे हैं।

इसी मंदिर परिसर के पास 15 साल की खुशबू चौधरी भी अपनी सहेलियों के साथ पहुंची थी। स्नान करने के दौरान ही वह अपने मोबाइल से बाढ़ के नजारे को अपने मोबाइल में कैद करने के लिए सेल्फी ले रही थी। इसी दौरान उसका पर फैसला और फिर वह गहरे पानी में चली गई। इसकी जानकारी पर सहेलियों ने शोर मचाया तो आसपास से ग्रामीण भी पहुंचे और बाढ़ के पानी में डूब रही खुशबू को काफी मशक्कत के बाद बाहर निकाला। इसके बाद उसके परिजन किशोरी को अस्पताल लेकर गए जहां पर चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया।

कक्षा 9 की छात्रा थी खुशबू

खुशबू चौधरी अपने तीन भाई बहनों में दूसरे नंबर की बेटी थी। घटना वाले दिन खुशबू की मां फूला देवी अपने गांव की महिलाओं के साथ बिहार के बरहपुर मंदिर में पूजा करने गई थीं। पिता अशोक चौधरी बाहर रहकर काम करते हैं। जबकि खुशबू कक्षा 9 की छात्रा थी। वही इस घटना की जानकारी पर पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। जिसके बाद परिजनों ने उसका अंतिम संस्कार काफी गमगीन माहौल में किया।

साइबर फ्राड से वसूले गए 91,516 रूपये को आवेदकों के खाते में वापस

आर्यावर्त संवाददाता

बाराबंकी। साइबर सेल को ऑनलाइन 1930 के माध्यम से प्राप्त सूचना जिसमें मो0 महताब पुत्र मोहम्मद हलीम निवासी भुनाई पोस्ट उस्मानपुर थाना कोठी जनपद बाराबंकी के साथ अज्ञात व्यक्ति द्वारा रिमोट शेयरिंग APK फाइल डाउनलोड कराकर 74,516 रूपये का फ्रॉड व 2.राजीव कुमार पुत्र राकेश कुमार निवासी ग्राम छतूरा थाना कोठी जनपद बाराबंकी के साथ फर्जी पुलिस अधिकारी बनकर अश्लील वीडियो देखने के नाम पर 17,000/- रूपये का साइबर फ्रॉड किए जाने के सम्बन्ध में उल्लेख किया गया। संदर्भित प्रकरणों में पुलिस अधीक्षक बाराबंकी श्री अर्पित विजयवर्गीय के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी सदर श्री सौरभ श्रीवास्तव के कुशल पर्यवेक्षण में साइबर क्राइम सेल थाना द्वारा तत्काल बैंक/मर्चेंट से पत्राचार कर खाता होल्ड कराकर सम्पूर्ण धनराशि कुल 91,516 रूपये दोनों आवेदकों के खाते में वापस कराया गया।

गोलगप्पे के 10 रुपये के लिए दरोगा ने दिखाई वर्दी की धौंस, दुकानदार को बेदर्दी से पीटा

आर्यावर्त संवाददाता

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर में रेहड़ी लगाकर एक गोलगप्पे बेचने वाले वाले की एक दरोगा और सिपाही ने मिलकर खूब पिटाई की। क्योंकि गोलगप्पे वाले ने दारोगा और सिपाही से गोलगप्पे के पैसे मांग लिए थे। ऐसे में दारोगा और सिपाही ने बीच सड़क पर गोलगप्पे वाले की इतनी पिटाई की कि वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे कई चोटें आईं। अब पीड़ित ने सीओ राठ से मामले की शिकायत की।

ये मामला हमीरपुर के राठ कोतवाली क्षेत्र के औता गांव से सामने आया है। यहां रहने वाले शिवा गोलगप्पे के ठेला लगाकर अपने परिवार का भरण पोषण करते हैं। उनके ठेले पर दरोगा शिवम दत्त और सिपाही अमित पहुंचे, जहां उन्होंने गोलगप्पे खाए और जाने लगे। जब दुकानदार शिवा ने उनसे पैसे मांगे तो

यह बात दोनों पसंद नहीं आई और दोनों ने शिवा की पिटाई कर दी। मामले की जानकारी के बाद एसपी ने मामले की जांच सीओ को सौंपी और जांच रिपोर्ट के बाद एसपी ने दोनों को लाइन हाजिर कर दिया है।

पैसे मांगने पर दोनों ने की गाली गलौज

पीड़ति दुकानदार शिवा की मानें तो दरोगा और सिपाही ने 5- 5 रुपये के गोलगप्पे खाए थे। उसने जब दरोगा और सिपाही से गोलगप्पे के पैसे मांगे तो दोनों ने गाली गलौज शुरू कर दी और किसी मामले में फंसा कर जेल भेजने की धमकी देने लगे। फिर पिटाई भी कर दी। इस पिटाई से शिवा के चेहरे और कानों में चोट लग गई। पीड़ित ने बताया कि जब लोगों की भीड़ वहां इकट्ठी हो गई तो दारोगा और सिपाही दोनों उसे लहूलुहान हालत में छोड़कर भाग गए।

दारोगा और सिपाही दोनों लाइन हाजिर

पीड़ति शिवा और स्थानीय दुकानदारों के साथ सीओ राठ राजीव प्रताप के पास पहुंचा और मामले की शिकायत दर्ज करवाई। इसके बाद सीओ ने पूरे मामले की जानकारी एसपी दीक्षा शर्मा को दी। एसपी ने तुरंत जांच कर रिपोर्ट देने का आदेश दिया। सीओ ने जांच में दरोगा और सिपाही को महज 10 रुपये देने के लिए दुकानदार को पीटने का दोषी पाया, जिसके बाद एसपी ने दोनों को लाइन हाजिर कर दिया।

टॉप टेन हिस्ट्रीशीटर तमंचा कारतूस के साथ गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

मीरजापुर। अवैध तमंचा कारतूस के साथ हिस्ट्री-शीटर टाप टेन अभियुक्त को गिरफ्तार करने में कटरा थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सोमेन बर्मा द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की धरपकड़ तथा गो-तस्करी में संलिप्त अभियुक्तों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही सहित इनामियां अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु जनपद के समस्त थाना प्रभारी गण को निर्देश दिया गया है। इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर व क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व में थाना को0कटरा पुलिस टीम को बड़ी सफलता हाथ लगी है।गुरुवार को प्रभारी निरीक्षक अजीत कुमार सिंह मय पुलिस टीम द्वारा थाना को0कटरा क्षेत्र से अभियुक्त सर्वजीत सिंह उर्फ मन्नी सरदार पुत्र मनजीत सिंह निवासी मोटीयानी गली गणेशगंज थाना को0कटरा जनपद मीरजापुर को 01 अदद अवैध तमंचा 315 बोर व 01 अदद जिन्दा कारतुस के साथ गिरफ्तार किया गया है। उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना को0कटरा पर मु0अ0स0 – 225/2025 धारा 3/25 आयुध अधिनियम पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार अभियुक्त को जेल भेजा गया है।

एसडीएम ने गाए भक्ति गीत, थानेदार बने हलवाई... बेली रोटियां; कांवड़ियों के स्वागत का वीडियो

आर्यावर्त संवाददाता

ऊरानीपुर। श्रावण मास की महिमा और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। उत्तर प्रदेश के झांसी के मऊरानीपुर में जहां एक ओर एसडीएम अजय कुमार शिव भक्तों के साथ भक्ति गीतों में लीन दिखे। वहीं दूसरी ओर थाना प्रभारी विद्यासागर सिंह हलवाई बनते नजर आएं। वह कांवड़ियों की सेवा में रोटियां बेलते दिखाई दिए, जिनकी सोशल मीडिया पर तस्वीरें और वीडियो वायरल हो रही हैं, जिसमें वह काम करते हुए नजर आ रहे हैं।

चुरारा मंडल से आए करीब 1000 कांवड़ियों का स्वागत, भोजन और जलपान का प्रबंध प्रशासन की ओर से बड़े स्तर पर किया गया। SDM ने 1000 कांवड़ियों के खानपान की व्यवस्थाओं की निगरानी की और फिर कांवड़ियों के बीच जाकर अंजनी के नंदना की बार-बार

वंदना गाकर समा बांध दिया।श्रावण मास की पावन बेला में, जहां शिवभक्त कांवर लिए भोले बाबा की जय-जयकार करते हुए सड़कों पर नजर आ रहे हैं। वहीं मऊरानीपुर में भक्ति और प्रशासन का अनोखा संगम देखने को मिला।

माहौल को भक्तिमय कर दिया

SDM अजय कुमार खुद कांवड़ियों के बीच पहुंचे और भक्ति में इस कदर डूबे कि उन्होंने अंजनी के नंदना की बार-बार वंदना... जैसे भजनों से माहौल को भक्तिमय बना दिया। कांवड़ियों ने भी जमकर बम बम भोले के जयकारे लगाए। कोतवाली प्रभारी विद्यासागर सिंह ने सेवा की मिसाल पेश की। वह हाईवे किनारे कांवड़ियों के लिए खुद रोटियां बेलते दिखाई दिए। ये तस्वीरें जब सोशल मीडिया पर आईं, तो लोगों ने भी यही कहा "अफसर हो तो ऐसे"

1000 कांवड़ियों का स्वागत

करीब 1000 कांवड़ियों की सेवा और स्वागत के लिए प्रशासनिक तंत्र सावधान नजर आया रहा। खाने-पीने से लेकर रुकने तक की पूरी व्यवस्था की गई और जब अफसर खुद भक्ति और सेवा में आगे आए, तो श्रद्धा और भरोसा दोनों ही गहरा गए। कांवड़ियों ने प्रशासन की व्यवस्थाओं की खुले दिल से सराहना की और कहा कि ऐसे सेवा भाव और आस्था की मिसालें बहुत कम देखने को मिलती हैं।

पानी-पानी हुआ रेलवे का कोच! एलटीटी-सीतापुर एक्सप्रेस के 'एस6' में बहने लगा झरना

आर्यावर्त संवाददाता

झांसी। उत्तर प्रदेश झांसी रेलवे स्टेशन पर उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब लोकमान्य तिलक टर्मिनस से सीतापुर जा रही एक्सप्रेस ट्रेन की एस-6 बोगी में छत से बारिश का पानी गिरने लगा। बोगी में बारिश का पानी गिरने से यात्रियों की सीटें गीली हो गईं। यात्रियों के बैग भीग गए। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

12107 एलटीटी-सीतापुर एक्सप्रेस की S6 बोगी उस वक्त सोशल मीडिया सेंसेशन बन गई, जब उसके अंदर से छतरी निकालो अलर्ट जारी हुआ। कोच की छत से यूं पानी गिर रहा था, जैसे मानो कोई नया वाटरफॉल दिख रहा हो। इससे यात्रियों की सीटें, फर्श, बैग, कपड़े सब गिले हो गए। यात्रियों ने रेलकर्मियों को ढूंढा, लेकिन वो शायद छाता लेकर छुट्टी पर थे।

यात्रियों के ट्रेन का सफर बना परेशानी

यात्रियों के लिए इस ट्रेन का सफर परेशानी बन गया। यात्रियों ने बोगी में छत से गिरते पानी का वीडियो बना लिया। फिर वीडियो को सोशल मीडिया पर डाल दिया। सोशल मीडिया पर ट्रेन की बोगी का ये वीडियो वायरल हो गया। वीडियो के वायरल होने के बाद रेलवे के अफसरों की नींद टूटी। हालांकि सोशल मीडिया पर लोग पूछ रहे हैं कि ये भारतीय रेल है या इंडियन वाटर वर्ल्ड?

वायरल वीडियो में क्या है?

लोग पूछ रहे हैं कि बारिश बाहर हो रही या अंदर। ट्रेन में व्यवस्था देखने की जिम्मेदारी तो रेलवे की है, लेकिन यहां जिम्मेदार शायद 'स्लीपर' मोड में थे। सोशल मीडिया पर जो वीडियो वायरल हुआ है, उसमें बोगी में यात्रियों को बैठे देखा जा सकता है। ऊपर से ट्रेन की बोगी के छत से बारिश का पानी नीचे फर्श पर गिरते देखा जा सकता है।

कुछ ही दिन में राखी का त्योहार आने वाला है। ऐसे में अभी से हमारा बताया स्किन केयर रुटीन फॉलो करके अपना चेहरा चमका लें।

राखी पर चाहिये ग्लोइंग स्किन? अभी से अपनाएं ये आसान ब्यूटी टिप्स

हिंदू धर्म के लोगों के लिए रक्षाबंधन का त्योहार बेहद खास होता है। ये त्योहार भाई और बहन के प्यार और सुरक्षा के बंधन को समर्पित होता है। इस दिन बहनें अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधती हैं और उनकी लंबी उम्र व खुशहाली की कामना करती हैं, जबकि भाई जीवन भर उनकी रक्षा करने का वचन देते हैं।

ये दिन खासतौर पर बहनों के लिए होता है, इसलिए हर बहन इसका इंतजार सालभर करती है और कई-कई दिनों पहले से इसकी तैयारी शुरू कर देती है। इस दिन हर कोई खूबसूरत दिखना चाहता है। ऐसे में हम आपको कुछ ऐसा स्किन केयर रुटीन बताने जा रहे हैं, जिसको फॉलो करने के बाद आपका चेहरा खिल उठेगा।

दिन में दो बार क्लींजिंग

चेहरे और गंदगी की वजह से चेहरा अपने आप ही डल हो लगता है। ऐसे में दिन में कम से कम दो बार सुबह और शाम के समय अपने चेहरे को साफ करें।

मॉइस्चराइजर को बना लें अपना दोस्त

अक्सर लोगों को लगता है कि बारिश या गर्मी के मौसम में मॉइस्चराइजर की क्या ही जरूरत ? लेकिन ऐसा नहीं है। बारिश के मौसम में भी स्किन को हाइड्रेट रखना बहुत ज़रूरी है। ऐसे में इस मौसम में हमेशा हल्के जेल-बेस्ड मॉइस्चराइजर का इस्तेमाल करें।

करें सही सनस्क्रीन का इस्तेमाल

देखा देखी में कोई भी सनस्क्रीन इस्तेमाल न करने लगें। हमेशा कम से कम 40 से ऊपर एसपीएफ वाली सनस्क्रीन इस्तेमाल करें। हर तीन से चार घंटे में इसे अपने हाथ-पैर और चेहरे पर अप्लाई करें, ताकि आपका चेहरा हानिकारक यूवी किरणों से बचा रहे। सनस्क्रीन ही आपके चेहरे को सुरक्षित रख सकती है।

हफ्ते में दो बार स्क्रबिंग है जरूरी

हर किसी को हफ्ते में कम से कम दो बार अपनी स्किन की डीप क्लीनिंग करनी चाहिए। इसके लिए हफ्ते में दो बार अपनी स्किन टाइप के हिसाब से स्क्रबिंग करें। ताकि आपका चेहरे के अंदर तक की गंदगी पूरी तरह से साफ हो जाए।

फेस पैक का इस्तेमाल

यहां हम तीन प्रकार के फेस पैक के बारे में आपको बताने जा रहे हैं, जो राखी से पह आपके चेहरे पर ग्लो लाने में मदद करेंगे।

1. मुल्तानी मिट्टी और गुलाब जल
2. पपीता और शहद
3. चंदन पाउडर और दूध

हमेशा अपने दिन की शुरुआत चेहरा धोने से करें और रात को सोने से पहले भी किसी माइल्ड फेसवॉश से चेहरा साफ करें। इससे आपकी स्किन पर जमा धूल, पसीना और ऑयल निकल जाएंगे।

टोनिंग है जरूरी

लोगों को लगता है कि टोनर का स्किन पर कोई लाभ नहीं है। जबकि ऐसा नहीं है। दरअसल, असल मायने में त्वचा को हाइड्रेट करने और स्किन के पोर्स को टाइट करने के लिए सही टोनर का इस्तेमाल करना बेहद जरूरी है। बाजार से टोनर नहीं खरीदना तो आप गुलाब जल का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। ये एक अच्छा टोनर

मलेरिया-डेंगू का खतरा नहीं, इन 5 होम डेकोर हैक्स से बनाएं मच्छर मुक्त घर

मानसून दस्तक दे चुका है। इस सुहावने मौसम में मच्छरों और कीड़े-मकोड़ों का प्रकोप बढ़ जाता है। ऐसे में मच्छरों के प्रकोप से बचाने के लिए आपने अपने घर को कितना तैयार किया है?

गर्मियों के बाद मानसून का मौसम रिमझिम बारिश और ठंडी हवाएं लेकर आता है, जो सभी को बहुत भाती हैं। लेकिन इस सुहाने मौसम के साथ मच्छरों का प्रकोप भी तेजी से बढ़ जाता है। ये मच्छर डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी गंभीर बीमारियों का कारण बन सकते हैं। इसलिए जरूरी है कि आप अपने घर की सजावट ऐसी करें, जो न सिर्फ देखने में सुंदर और आकर्षक लगे, बल्कि मच्छरों से भी सुरक्षा प्रदान करे।

इनडोर प्लांट्स

घर की प्राकृतिक सजावट न केवल सुंदरता बढ़ाती है, बल्कि मच्छरों से भी बचाती है। लेमनग्रास, लैवेंडर, तुलसी, पुदीना और गेंदा जैसे पौधे मच्छर भगाने में मदद करते हैं। लेमनग्रास में सिट्रोनेला ऑयल होता है, जो मच्छरों को दूर रखता है। गेंदा और लैवेंडर की खुशबू भी मच्छरों को नहीं भाती। तुलसी और पुदीना न केवल कीड़े-मकोड़े भगाते हैं, बल्कि घर को ताजगी भी देते हैं। आप इन पौधों से बालकनी, खिड़की या किचन को सजाएं, ताकि मच्छर आपके घर से दूर रहें।

नेट के पर्दे

बारिश के मौसम में उमस के कारण बंद कमरे में घुटन और बेचैनी महसूस होती है। ऐसे में आप ताजगी पाने के लिए खिड़की और दरवाजे खोल देती हैं, जिससे मच्छर आसानी से अंदर आ जाते हैं। इस समस्या से बचने के लिए नेट वाले परदों का इस्तेमाल करें। अपने पसंदीदा रंग और डिजाइन के नेट के परदे खिड़कियों और दरवाजों पर लगाएं। इससे न सिर्फ हवा का आवागमन बना रहेगा, बल्कि मच्छर और कीड़े-मकोड़े भी कमरे में प्रवेश नहीं कर पाएंगे। साथ ही आपका कमरा खूबसूरत भी नजर आएगा।

एसेंशियल ऑयल

घर को फूलों-सा महकाने के लिए आप आर्टिफिशियल फूलों के गुलदस्ते पर लैवेंडर और रोजमेरी जैसे एसेंशियल ऑयल की कुछ बूंदें डाल सकती हैं। यह घर को महकाने के साथ ही मच्छरों को भी भगाते हैं। बाजार में मच्छरों को भगाने वाले उत्पादों में केमिकल होते हैं, जो सेहत को नुकसान पहुंचाते हैं। एसेंशियल ऑयल एक प्राकृतिक विकल्प है और इसकी खुशबू मच्छर तथा कीड़े-मकौड़ों को घर में टिकने नहीं देती है।

हल्के रंग की लाइटिंग

मच्छर आमतौर पर रोशनी की ओर आकर्षित होते हैं, खासकर तेज और डार्क रोशनी उनकी सक्रियता बढ़ा सकती है। ऐसे में घर में अधिक ब्राइट लाइट लगाने से बचें और उसकी जगह सॉफ्ट या वॉर्म टोन की हल्की रोशनी देने वाली लाइटों का इस्तेमाल करें। ये लाइट घर के माहौल को शांत और सुंदर दिखाएंगी, साथ ही मच्छर भी कम आएंगे। असल में, कम ब्राइट लाइटिंग न केवल आंखों को सुकून देती है, बल्कि मच्छरों को दूर रखने में भी सहायक होती है।

सुगंधित मोमबत्तियां

मोमबत्ती स्टैंड घर की सुंदरता बढ़ाते हैं और मोमबत्तियां शांत और सुकून भरी रोशनी देती हैं। मच्छरों से बचाव के लिए सुगंधित मोमबत्तियां जलाना बेहद उपयोगी उपाय है। ये सजावट में चार चांद लगाने के साथ ही घर को खुशबू से महका देती हैं। आप बेड रूम, हॉल और किचन में ये सुगंधित मोमबत्तियां रख सकती हैं, जिससे घर महकता रहेगा और आपको सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव होगा।

साफ-सफाई

घर की साफ-सफाई केवल सुंदरता के लिए नहीं, बल्कि सेहत के लिए भी जरूरी है। साफ-सुथरा घर मच्छरों को पनपने से रोकता है, क्योंकि मच्छर गंदगी, जमे पानी और धूल-मिट्टी में जल्दी पनपते हैं। नियमित झाड़ू-पोछा, कचरा निपटान और पानी जमा न होने देना मच्छरों से बचाव में मदद करता है। साथ ही साफ घर मानसिक सुकून भी देता है और पूरे वातावरण को सकारात्मक बनाए रखता है।

बरसात में ट्रिप का प्लान है? दिल्ली-NCR के पास इन जगहों से दूर रहें वरना पछताएंगे

बरसात का मौसम अधिकतर लोगों को पसंद होता है। इस मौसम में घूमने की योजना बन जाए तो मौसम का मजा दोगुना हो जाता है। खासकर अगर घूमने के लिए प्रकृति के करीब किसी हरे-भरे स्थान का चयन किया गया हो। मानसून में चारों ओर हरियाली और ठंडी हवा का मौसम सफर के लिए बेहद रोमांटिक और ताजगी महसूस करा सकता है। खासकर जब आप दिल्ली-एनसीआर में रहते हैं, तो वीकेंड ट्रिप्स का मन जल्दी बन जाता है। लेकिन ये मत भूलिए कि बारिश सिर्फ सुहानी ही नहीं, कई बार परेशानी का कारण भी बन जाती है। खासतौर पर कुछ जगहें ऐसी हैं जहां मानसून में जाना खतरे से खाली नहीं होता। लैंडस्लाइड, कीचड़, ट्रैफिक और अनियोजित सुविधाएं आपकी ट्रिप का मजा बिगाड़ सकती हैं। अगर आप दिल्ली एनसीआर के रहने वाले हैं और इस मानसून मे ट्रिप पर जाने की योजना बना रहे हैं तो ये जान लीजिए कि राजधानी के आसपास किन जगहों पर बारिश के मौसम में जाना नहीं चाहिए।

कसौली

हिमाचल प्रदेश का खूबसूरत हिल स्टेशन कसौली सर्दियों और गर्मियों के मौसम में पर्यटकों के सबसे पसंदीदा पर्यटन स्थलों में शामिल होता है लेकिन मानसून में यहां जाना व्यर्थ हो सकता है। बरसात के मौसम में कसौली में फिसलन भरे रास्ते और लैंडस्लाइड का खतरा बढ़ जाता है। मानसून में कसौली जैसे हिल स्टेशन भले ही हरियाली से लबालब होते हैं, लेकिन बारिश के साथ फिसलन, कीचड़ और लैंडस्लाइड की समस्या भी आती है। खराब नेटवर्क और बंद रास्तों की वजह से यह जगह आपके ट्रिप का मजा किरकिरा कर सकती है।

कुचेसर या नीमराना

दिल्ली से लगभग ढाई घंटे के रास्ते पर कुचेसर का किला है और करीब 122 किमी दूर नीमराना स्थित है। ये दोनों ही स्थान शाही लुत्फ उठाने के लिए बेहतरीन स्थल है। यहां आप रिसॉर्ट ट्रिप का आनंद ले सकते हैं। हालांकि बारिश में रिसॉर्ट ट्रिप का मजा खराब हो सकता है। कुचेसर या नीमराना जैसे रिसॉर्ट्स मानसून में खराब सर्विस और इनडोर बंद गतिविधियों की वजह से बोरिंग हो सकते हैं। खुले में घूमना मुश्किल और पूल में एंजॉय करना रिस्की हो सकता है।

मुरथल

दिल्लीवालों की फेवरेट जगह मुरथल, जहां लजीज पराठा सर्व किया जाता है। मानसून में पराठा खाने का मन दिल्ली वालों को मुरथल आने के लिए उत्साहित कर सकता है। लेकिन वीकेंड पर यहां इतनी भीड़ और ट्रैफिक हो जाता है कि आपका आधा दिन सिर्फ जाम में निकल सकता है। स्वाद के चक्कर में फंसकर भीड़ और ट्रैफिक से परेशान हो सकते हैं।

टाइगर फॉल, चकराता

उत्तराखंड के चकराता से 20 किमी दूर टाइगर फॉल्स है। यह स्थान अपनी प्राकृतिक सुंदरता और 312 फीट की ऊंचाई से गिरते हुए झरने के लिए जाना जाता है। हालांकि भारी बारिश में झरने खतरनाक हो सकते हैं। मानसून में वाटरफॉल ट्रिप्स रोमांचक लगती हैं, लेकिन भारी बारिश में टाइगर फॉल जैसे स्पॉट्स बहुत ही रिस्की हो जाते हैं। पानी का बहाव बढ़ सकता है और फिसलन से चोट लगने का खतरा बना रहता है।

मथुरा-वृंदावन

मानसून के दौरान मथुरा और वृंदावन जैसे धार्मिक स्थलों पर रास्ते जलमग्न हो सकते हैं। श्रद्धा के साथ आई भीड़, गंदगी और कीचड़ आपके दर्शन के अनुभव को खराब कर सकती है। वृंदावन-बरसाने की संकरी गलियां बारिश में लबालब भर जाती हैं जो आपकी धार्मिक यात्रा को खराब कर सकती हैं।

रिटायरमेंट के लिए चाहिए 10 करोड़ का फंड? तब 25, 30 और 40 की उम्र पर शुरू करें इतने की एसआईपी

10 करोड़ रुपये का रिटायरमेंट फंड एक सपना लग सकता है, लेकिन अगर आप SIP के जरिए नियमित और अनुशासन से निवेश करते हैं तो ये सपना हकीकत भी बन सकता है

अगर आप रिटायरमेंट के लिए 10 करोड़ रुपये का फंड बनाना चाहते हैं, तो सबसे जरूरी बात है सही समय पर और नियमित रूप से निवेश करना ऐसा ही एक अच्छा तरीका है म्यूचुअल फंड का सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान यानी SIP

SIP का कमाल छोटी रकम, बड़ा सपना

SIP की सबसे बड़ी खासियत यही है कि आप इसे बहुत छोटी रकम से भी शुरू कर सकते हैं आजकल तो सिर्फ 250 रुपये से भी शुरुआत मुमकिन है लेकिन अगर आपका टारगेट रिटायरमेंट तक 10 करोड़ रुपये जुटाना है तो इसके लिए आपको शुरुआत से ही थोड़ी ठीक-ठाक रकम लगानी होगी उम्र कम है तो शुरुआत छोटी रख सकते हैं, लेकिन धीरे-धीरे रकम बढ़ानी जरूरी है SIP न सिर्फ निवेश की आदत डालता है, बल्कि लंबी अवधि में अच्छा खासा पैसा जोड़ने में मदद करता है

SIP में निवेश करते वक्त तीन बातें हमेशा याद रखें

जल्दी शुरू करें: जितनी जल्दी निवेश शुरू करेंगे, कंपाउंडिंग का फायदा उतना ही ज्यादा मिलेगा

लंबे वक्त के लिए निवेश करें: कम से कम 1520 साल का नजरिया रखें

हर साल रकम बढ़ाएं: हर साल SIP अमाउंट में 510% की बढ़ोतरी जरूर करें

कंपाउंडिंग का जादू

महान वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन ने कंपाउंडिंग को दुनिया का आठवां अजूबा कहा था जब आप अपनी कमाई को फिर से निवेश करते हैं तो आपका पैसा खुद-ब-खुद और पैसा कमाने लगता है SIP में भी यही कमाल होता है नियमित निवेश और लंबा वक्त मिलकर कंपाउंडिंग का जबरदस्त फायदा देते हैं

10 करोड़ रुपये का फंड

FundsIndia की एक रिपोर्ट के मुताबिक अगर आप सालाना 12% कंपाउंड रिटर्न मानते हैं तो 10 करोड़ रुपये का रिटायरमेंट फंड बनाने के लिए SIP कुछ इस तरह करनी होगी अगर आप जल्दी शुरू करते हैं तो बहुत कम रकम से भी बड़ा फंड बनाया जा सकता है जैसे, अगर आप 25 साल की उम्र में SIP शुरू करते हैं तो हर महीने करीब 14,600 रुपये की SIP काफी है लेकिन अगर आप 40 की उम्र में शुरू करेंगे तो यही टारगेट पाने के लिए हर महीने करीब 91,500 रुपये की SIP करनी होगी

SIP में निवेश करते वक्त कुछ बातें ध्यान रखें

मार्केट उतार-चढ़ाव से ना डरें: SIP का मकसद ही यही है कि आप हर माह निवेश करते रहें, इससे औसत खरीदारी कीमत कम होती रहती है

अलग-अलग लक्ष्यों के लिए अलग SIP: रिटायरमेंट, बच्चों की पढ़ाई, घर खरीदना हर लक्ष्य के लिए अलग SIP रखें

स्टेप-अप SIP चुनें: अपनी SIP की रकम हर साल 10% तक बढ़ाते रहें, इससे आपकी इनकम बढ़ने के साथ निवेश भी बढ़ता रहेगा

जल्दी शुरू करना ही असली ताकत है

10 करोड़ रुपये का रिटायरमेंट फंड एक सपना लग सकता है, लेकिन अगर आप SIP के जरिए नियमित और अनुशासन से निवेश करते हैं तो ये सपना हकीकत भी बन सकता है कंपाउंडिंग का जादू तभी काम करता है जब आप उसे वक्त देते हैं इसलिए जितनी जल्दी हो सके निवेश शुरू करें और इसे लंबे वक्त तक जारी रखें

अनिल अंबानी से जुड़े 50 ठिकानों पर ईडी की छापेमारी, 3000 करोड़ के यस बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले में कार्रवाई

यस

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को मुंबई में उद्योगपति अनिल अंबानी की कंपनियों से जुड़े कई स्थानों पर छापेमारी की। यह छापेमारी भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) द्वारा रिलायंस कम्युनिकेशंस और इसके प्रमोटर-निदेशक अनिल डी अंबानी को 'धोखाधड़ी' के रूप में वर्गीकृत किए जाने के कुछ ही दिनों बाद की गई है।

हालांकि अनलि अंबानी के निजी आवास पर तलाशी अभियान नहीं चलाया गया, लेकिन दिल्ली और मुंबई से आई ईडी की टीमों ने उनके समूह की कुछ कंपनियों से जुड़े परिसरों का दौरा किया। यह जांच RAAGA (रिलायंस अनिल अंबानी समूह) कंपनियों की ओर से कथित धन शोधन से संबंधित है।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अनिल अंबानी समूह की कंपनियों और यस बैंक के खिलाफ 3,000 करोड़ रुपये के कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी से जुड़े मामले में गुरुवार को छापेमारी की। सूत्रों के अनुसार, धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मुंबई और दिल्ली में 50 कंपनियों और लगभग 25 लोगों के 35 से अधिक परिसरों की तलाशी ली जा रही है।

2017 से 2019 के बीच का है ऋण धोखाधड़ी मामला

ईडी सूत्रों ने कहा कि वे 2017 और 2019 के बीच यस बैंक से लगभग 3,000 करोड़ रुपये के अवैध ऋण डायवर्जन के आरोपों की जांच कर रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, ईडी को पता चला है कि ऋण दिए जाने से ठीक पहले यस बैंक के प्रमोटरों को उनके व्यवसाय में धन प्राप्त हुआ था। इसे देखते हुए एजेंसी ₹रिश्वत₹ और ऋण के इस गठजोड़ की जांच कर रही है। सूत्रों ने बताया कि संघीय एजेंसी रिलायंस अनिल अंबानी समूह की कंपनियों को यस बैंक की ओर से ऋण स्वीकृतियों में ₹घोर उल्लंघनों₹ के आरोपों की पड़ताल कर रही है।

इनपुट के आधार पर ईडी कार्रवाई

ईडी की कार्रवाई राष्ट्रीय आवास बैंक, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी), राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण (एनएफआरए), बैंक ऑफ बड़ौदा और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से दर्ज दो एफआईआर सहित कई नियामक और वित्तीय निकायों से प्राप्त इनपुट पर आधारित है।

रिपोर्ट्स के अनुसार अनिल अंबानी समूह से जुड़े वरिष्ठ व्यावसायिक अधिकारियों के यहां भी तलाशी ली जा रही है। ईडी का दावा है कि उसे सार्वजनिक धन की हेराफेरी की एक सुनियोजित योजना के सबूत मिले हैं। जांच से पता चलता है कि इस प्रक्रिया में बैंकों, शेयरधारकों, निवेशकों और सार्वजनिक संस्थानों सहित कई संस्थाओं को गुमराह किया गया या उनके साथ धोखाधड़ी की गई।

बैंक के ऋण भी जांच के दायरे में

खबरों के मुताबिक, ईडी की जांच 2017 से 2019 के दौरान यस बैंक से लिए गए 3,000 करोड़ रुपये के ऋणों के संदिग्ध अवैध डायवर्जन पर केंद्रित है। ईडी अधिकारियों के अनुसार, समूह की कंपनियों को ऋण वितरित किए जाने से कुछ समय पहले बैंक के प्रमोटरों से जुड़ी संस्थाओं को धनराशि हस्तांतरित की गई थी।

अधिकारियों ने रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड (आरएचएफएल) से जुड़ी जानकारियां ईडी के साथ साझा की हैं। कंपनी का कॉरपोरेट ऋण वित्त वर्ष 2017-18 में 3,742.60 करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 2018-19 में 8,670.80 करोड़ रुपये हो गया। यस बैंक के पूर्व प्रमोटरों से जुड़े रिश्वतखोरी के पहलू की भी समीक्षा की जा रही है।

एसबीआई ने आरकॉम और अनिल अंबानी को 'फ्रॉड' की श्रेणी में रखा

ईडी की यह ताजा कार्रवाई एसबीआई की ओर से हाल ही में अनिल अंबानी और उनकी कंपनी रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरकॉम) को 'फ्रॉड' के रूप में वर्गीकृत करने के बाद हुई है। 13 जून, 2025 को, धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन पर भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से जारी दिशानिर्देशों और अपनी आंतरिक नीति के अनुसार, एसबीआई ने कंपनी और उसके प्रमोटर को इस श्रेणी में चिह्नित किया।

वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा को बताया कि एसबीआई ने 24 जून, 2025 को आरबीआई को मामले की सूचना दी गई थी। बैंक अब सीबीआई में औपचारिक शिकायत दर्ज कराने की तैयारी कर रहा है। 1 जुलाई, 2025 को आरकॉम के समाधान पेशेवर ने अपनी कंप्लायंस जिम्मेदारियों के तहत एसबीआई के निर्णय के बारे में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज को सूचित किया।

ट्रंप ब्रिज से ईरान की घेराबंदी की तैयारी! अमेरिकाइजराइल की आर्मेनिया के साथ सीक्रेट डील से मचा हंगामा

वॉशिंगटन, एजेंसी। ईरान से जारी तनाव के बीच अमेरिका और इजराइल ने आर्मेनिया के साथ मिलकर एक ऐसा कॉरिडोर तैयार करने की योजना पर काम शुरू कर दिया है, जो सीधे-सीधे ईरान की सुरक्षा नीति को चुनौती देता है। इस कॉरिडोर का नाम है ट्रंप ब्रिज ट्रांसपोर्टेशन कॉरिडोर, जो न सिर्फ अजरबैजान को उसके नखिचवान एनक्लेव से जोड़ेगा, बल्कि ईरान की उत्तरी सीमा पर एक स्थायी अमेरिकी सैन्य बेस के रूप में काम करेगा।

अगली जंग में कैसे होगा इसका इस्तेमाल?

ट्रंप ब्रिज एक ऐसा साइलेंट ऑपरेशनल ज़ोन है जिसे युद्ध की स्थिति में तुरंत कमांड सेंटर, ड्रोन बेस, या स्पेशल ऑप्स लॉन्चपॉइंट में बदला जा सकता है। यदि इजराइल और ईरान के बीच तनाव बढ़ता है, तो यह कॉरिडोर स्मार्ट निगरानी और हस्तक्षेप का आधार बनेगा। ईरान की सीमाओं पर मनोवैज्ञानिक दबाव बनाए रखेगा। किसी संभावित हमले में सपोर्टिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की भूमिका निभा सकता है।

ट्रंप ब्रिज सिर्फ एक सड़क नहीं, बल्कि भू-रणनीतिक घेराबंदी की योजना है। ईरान को अब चारों ओर से एक नए सिरे से वॉर जोन में धकेला जा रहा है। आर्मेनिया का झुकाव अमेरिका की ओर मध्य एशिया में नया शक्ति संतुलन रच सकता है। अगली जंग सिर्फ मिसाइलों से नहीं, कॉरिडोरों और कॉन्ट्रैक्ट सैनिकों से भी लड़ी जाएगी।

क्या है ट्रंप ब्रिज कॉरिडोर?

यह एक 42 किलोमीटर लंबा कॉरिडोर है जो आर्मेनिया के Syunik या Zangezur क्षेत्र से गुजरेगा। इस मार्ग के जरिए अजरबैजान अपने मुख्य क्षेत्र और अलग-थलग पड़े नखिचवान एनक्लेव को जोड़ पाएगा, लेकिन असल मुद्दा कनेक्टिविटी से ज्यादा सुरक्षा और नियंत्रण से जुड़ा है।

इस कॉरिडोर को अमेरिका 99 साल की लीज पर नियंत्रित करेगा। इसका निर्माण और संचालन एक अमेरिकी निजी सैन्य कंपनी (Private Military Company PMC) करेगी। यह कॉरिडोर ईरान की सीमा के बिल्कुल पास होगा — यानी रणनीतिक रूप से बेहद संवेदनशील जगह पर।

ईरान के लिए यह सबसे बड़ा खतरा?

इस कॉरिडोर की वजह से ईरान की उत्तरी सीमा की निगरानी अब अमेरिका के नियंत्रण में होगी।अमेरिकी PMC के 1000 से अधिक सुरक्षाकर्मी वहां तैनात रहेंगे, जिन्हें हथियारों और बल प्रयोग की पूरी छूट होगी। यह कॉरिडोर भविष्य में अमेरिका या इजराइल के किसी भी सीमित सैन्य ऑपरेशन का लॉन्चिंग पैड बन सकता है। ड्रोन हमले, इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस, साइबर निगरानी और सैटेलाइट डेटा कलेक्शन जैसी गतिविधियां वहां से संचालित की जा सकती हैं।

इस पूरी व्यवस्था को नॉन-गवर्नमेंटल बताते हुए उसे एक आर्थिकसामरिक परियोजना की तरह पेश किया जा रहा है, जबकि असल में यह एक सॉफ्ट मिलिट्री बेस है।

ईरान अब चारों ओर से कैसे घिर गया है?

उत्तर में अब ट्रंप ब्रिज से अमेरिकी निगरानी और सैनिक उपस्थिति। वहीं पूर्व में पहले से अमेरिका का अजरबैजान और तुर्की से घनिष्ठता है। हालिया जंग में अजरबैजान पर इजराइल को अपना स्पेस देने का भी आरोप लगा था। दक्षिण में इजराइल की नौसैनिक उपस्थिति और गुप्त ठिकाने जबकि पश्चिम साइड से अफगानिस्तान में अमेरिकी प्रभाव और खुफिया ऑपरेशन नेटवर्क। इसका अर्थ यह है कि ईरान अब चारों दिशाओं से सामरिक प्रेशर में आ चुका है। इससे उसकी विदेश नीति, सीमा सुरक्षा और व्यापारिक गलियारों पर असर पड़ सकता है।

आर्मेनिया के अमेरिका से हाथ मिलाने का मतलब:

आर्मेनिया पहले रूस के नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन CSTO का सदस्य रहा है और ऐतिहासिक रूप से मॉस्को के प्रभाव में रहा है, लेकिन यह समझौता साफ़ संकेत देता है कि अब आर्मेनिया पश्चिम के पाले में जा चुका है। इसका मतलब है- 1। रूस को सीधी चुनौती 2। अमेरिका अब कॉकस क्षेत्र में पांव जमा चुका है। 3। चीन को भी घेरने की तैयारी। यह रूट चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव की कनेक्टिविटी को भी तोड़ सकता है। 4। यूरोपीय संघ के लिए बैलेंस बिगड़ा। अमेरिका ने एक बार फिर अकेले मैदान मार लिया।

अमेरिका में प्रजनन दर अपने न्यूनतम स्तर पर पहुंची, मां बनने में महिलाओं की रुचि कम हुई

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में भी लोग अब बच्चे पैदा करने से कतरा रहे हैं और इसी का नतीजा है कि अमेरिका में प्रजनन दर साल 2024 में सबसे न्यूनतम रही। अमेरिकी सरकार के आंकड़ों के अनुसार, अमेरिका में हर महिला 1।6 बच्चों से भी कम बच्चे पैदा कर रही है। एक समय अमेरिका में औसतन प्रजनन दर प्रति महिला 2।1 बच्चे था, लेकिन बीते दो दशकों से अमेरिका में प्रजनन दर में भारी कमी आई है और अब वहां की महिलाएं या तो बच्चे पैदा करने में लंबा समय ले रही हैं या फिर बच्चे पैदा ही नहीं कर रही हैं।

यूएस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) ने ताजा आंकड़े जारी किए हैं, जिसमें साल 2024 के आंकड़े दिए गए हैं। सीडीसी ने बताया कि 1960 की शुरुआत में अमेरिका में प्रजनन दर 3।5 के करीब थी, लेकिन साल 1976 में यह गिरकर 1।7 बच्चे प्रति महिला रह गई। हालांकि साल 2007 तक यह आंकड़ा 2।1 बच्चे प्रति महिला रहा, लेकिन इसमें फिर से गिरावट हुई, जो अभी भी जारी है। आंकड़ों के अनुसार, लगभग हर महिला वर्ग में बच्चों के जन्म में गिरावट आई है और आशंका है कि आने वाले वर्षों में भी ये गिरावट जारी रह सकती है। लोग देर से शादी कर रहे हैं और पैसों को लेकर चिंता, स्वास्थ्य बीमा और अन्य संसाधनों पर बढ़ते खर्च के चलते लोग बच्चे पैदा करने से कतरा रहे हैं।

अमेरिकी विशेषज्ञ प्रजनन दर में गिरावट से चिंतित नहीं

विश्व बैंक के डेटा के अनुसार, ये आंकड़े पश्चिमी यूरोपीय देशों की प्रजनन दर के बराबर है। प्रजनन दर में गिरावट के बाद अमेरिका के ट्रंप प्रशासन ने प्रजनन दर बढ़ाने के लिए कुछ कदम उठाए हैं जैसे आईवीएफ तकनीक से गर्भधारण की लागत में कमी की गई है। साथ ही बेबी बोनस का भी एलान किया गया है, जिससे ज्यादा लोग बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित हो सकते हैं। हालांकि कोलोराडो यूनिवर्सिटी के अध्ययन के अनुसार, प्रजनन दर में गिरावट चिंता की बात नहीं हैं क्योंकि अमेरिका में अभी भी मरने वाले लोगों की तुलना में ज्यादा बच्चे पैदा हो रहे हैं। इससे प्राकृतिक तौर पर अमेरिकी जनसंख्या बढ़ रही है।

थाईलैंड-कंबोडिया सीमा पर भड़का संघर्ष, हवाई हमलों और गोलीबारी में अब तक नौ की मौत

बैंगकॉक। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सीमा विवाद गुरुवार को हिंसक टकराव में बदल गया, जिसमें कम से कम नौ नागरिकों की मौत हो गई। थाई सेना के अनुसार, सबसे ज्यादा हताहत सिसा केट प्रांत में हुए, जहां एक पेट्रोल पंप पर गोलीबारी में छह लोगों की जान चली गई। तीन सीमा प्रांतों में कुल 14 लोग घायल बताए गए हैं। बीते मई में हुई एक झड़प में एक कंबोडियाई सैनिक की मौत के बाद दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ता गया है। अब हालात इस कदर बिगड़ चुके हैं कि दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर पहले फायरिंग शुरू करने का आरोप लगाया है।

थाईलैंड की सेना ने पुष्टि की कि उसने कंबोडिया में स्थित कुछ लक्ष्यों पर हवाई हमले किए। कंबोडिया के रक्षा मंत्रालय ने आरोप लगाया कि थाईलैंड ने प्राचीन प्रेह विहेयर मंदिर

के पास सड़क पर बम गिराए। थाई रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता सुरसंत कोंगसिरी ने बताया कि कंबोडिया से आई गोलीबारी में एक नागरिक की मौत हुई और एक पांच वर्षीय बच्चा समेत तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए थे। हालांकि अब मृतको की संख्या बढ़कर कुल नौ हो गई है।

प्राचीन मंदिरों के आसपास हुई झड़पें

गुरुवार सुबह पहली झड़प सुरिन प्रांत और ओडर मींचे प्रांत के बीच ता मुएन थोम मंदिर के पास हुई। कंबोडिया के प्रधानमंत्री हुन मानेट ने कहा कि थाई सेना ने उनके क्षेत्रों पर हमला किया, जिससे उन्हें जवाबी कार्रवाई करनी पड़ी। दोनों देशों ने एक-दूसरे पर गोलीबारी शुरू करने का आरोप लगाया है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में लोग बंकरों में छिपते नजर आए।

राजनयिक संबंधों में गिरावट

गुरुवार सुबह कंबोडिया ने थाईलैंड के साथ अपने राजनयिक संबंधों को सबसे निचले स्तर पर लाने की घोषणा की। उसने थाई राजदूत को निष्कासित किया और अपने सभी स्टाफ को बैंकॉक स्थित दूतावास से वापस बुला लिया। यह कदम थाईलैंड द्वारा अपने पांच सैनिकों के घायल होने के बाद सीमा चौकियों को बंद करने और कंबोडियाई राजदूत को निष्कासित करने के जवाब में उठाया गया।

बारूदी सुरंगों को लेकर विवाद

थाई अधिकारियों ने हाल में सीमा पर बारूदी सुरंगों से हुए धमाकों को लेकर कंबोडिया पर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि ये सुरंगें हाल ही में बिछाई गई हैं और रूसी निर्माण की हैं। जबकि कंबोडिया ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया और कहा कि ये पुराने युद्धों की निशानियां हैं। एक धमाके में थाई सैनिक का पैर तक कट गया।

इतिहास में उलझा विवाद

1962 में अंतरराष्ट्रीय न्यायालय ने प्रेह विहेयर मंदिर को कंबोडिया का हिस्सा माना था, लेकिन यह फैसला आज तक थाईलैंड को रास नहीं आया। 2011 में हुए झड़पों में करीब 20 लोग मारे गए थे और हजारों विस्थापित हुए थे। 2013 में अदालत ने एक बार फिर कंबोडिया के पक्ष में फैसला दिया, जिससे थाईलैंड में असंतोष बढ़ा। अब एक बार फिर वही पुराने जख्म हरे हो गए हैं।

दिल्ली-NCR में गैंगस्टर के बढ़ते मामलों पर सुप्रीम कोर्ट चिंतित, कहा- फरीदाबाद-गुड़गांव में क्या हो रहा है?

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-NCR में गैंगस्टर मामलों में बढ़ोतरी पर सुप्रीम कोर्ट ने चिंता जताई है। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि NCR में दिल्ली के भौगोलिक क्षेत्र से बाहर जाकर देखिए कि फरीदाबाद, गुड़गांव आदि में क्या हो रहा है। आम आदमी को गाजियाबाद से गिरफ्तार किया गया था जिसने पानीपत में एक हत्या की थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इन गैंगस्टरों के प्रति कोई सहानुभूति नहीं होनी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने बयान में कहा कि समाज को इनसे छुटकारा पाना होगा। जस्टिस जॉयमाल्या बागची ने कहा कि दिल्ली में बढ़ रहे इस तरह के अपराधों को देखते हुए लग रहा है कि कानून से आम लोगों का विश्वास कम हो रहा है।

NIA अदालतों को लेकर जताई थी आपत्ति

जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि एनआईए के मामलों को लेकर भी कोर्ट ने आपत्ति व्यक्त की थी। दरअसल, कुछ दिन पहले सुप्रीम कोर्ट ने मौजूदा अदालतों को विशेष एनआईए अदालत बनाना से मना कर दिया था। कोर्ट ने सरकार से कहा था कि एनआईए कोर्ट स्थापित कीजिए नहीं तो आरोपियों को जमानत दे दी जाएगी। क्योंकि निचली अदालतों पर एनआईए मामले की सुनवाई का अतिरिक्त बोझ नहीं डाला जा सकता है।

आंध्र प्रदेश की तारीफ की

जस्टिस ने आंध्र प्रदेश की तारीफ करते हुए कहा कि हमें आंध्र प्रदेश की सराहना करनी चाहिए जहां विशेष मामलों से निपटने के लिए अतिरिक्त बुनियादी ढांचे के साथ विशेष अदालतें स्थापित की गई हैं। उन्होंने कहा कि प्राथमिकता वाली अदालतें मुकदमे को पूरा करने का प्रयास करती हैं।

जस्टिस बागची ने मुकदमें में देरी की वजह बताते हुए कहा कि गवाहों को अपने पक्ष में करने और बरी होने के लिए हर मुकदमे में देरी की जाती है और यही रणनीति है।

भगोड़ा प्रत्यर्पण समझौते की जरूरत... पीएम मोदी के ब्रिटेन दौरे पर कांग्रेस का तंज, विजय माल्या और नीरव मोदी पर घेरा

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस समय ब्रिटेन दौरे पर हैं। इस दौरान भारत और ब्रिटेन के बीच ट्रेड एग्रीमेंट (FTA) पर साइन होने वाले हैं। दोनों देशों के बीच इस मुलाकात को बेहद खास माना जा रहा है। इस ट्रेड डील पर कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने तंज कसा है। उन्होंने कहा कि इस डील के साथ 'फ्यूजिटिव ट्रांसफर एग्रीमेंट' की आवश्यकता भी है।

जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर एक पोस्ट में कहा कि भारत और ब्रिटेन के बीच FTA (फ्री ट्रेड एग्रीमेंट) पर आज लंदन में प्रधानमंत्री मोदी की मौजूदगी में हस्ताक्षर होने जा रहे हैं, लेकिन भारत को ब्रिटेन से एक और और भी जरूरी FTA करना चाहिए- फ्यूजिटिव ट्रांसफर एग्रीमेंट (भगोड़ा प्रत्यर्पण समझौता)।

उन्होंने आगे लिखा कि आखिरकार, मोदी मॉडल की भगोड़ानॉमिक्स के तीन बड़े स्टार, विजय माल्या, नीरव मोदी और ललित मोदी -अब भी अपनी घर वापसी का इंतज़ार कर रहे हैं और यह भी संभव है कि इस सूची में कुछ और नाम जल्द जुड़ जाएं। भारत और ब्रिटेन के बीच FTA (फ्री ट्रेड एग्रीमेंट) पर आज लंदन में प्रधानमंत्री मोदी की मौजूदगी में हस्ताक्षर होने जा रहे हैं। लेकिन भारत को ब्रिटेन से एक और और भी जरूरी FTA करना चाहिए- फ्यूजिटिव ट्रांसफर एग्रीमेंट (भगोड़ा प्रत्यर्पण समझौता)।

ब्रिटेन से डील का कहां होगा फायदा?- कांग्रेस

भारत और ब्रिटेन के बीच होने वाली इस डील को लेकर कांग्रेस पहले से ही सवाल खड़े कर रही है। कांग्रेस का कहना है कि यह डील देश के घरेलू उद्योगों, खासकर लघु और मध्यम उद्योग पर असर डाल सकती है। इसके साथ ही कांग्रेस ने मांग की है कि उन क्षेत्रों के बारे में भी सरकार को बताना चाहिए जहां इस डील से फायदा होगा।

क्या है भारत और ब्रिटेन के बीच होने वाली डील में खास?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच होने वाली इस डील का असर कई क्षेत्रों पर पड़ने वाला है। ऐसा माना जा रहा है कि इस डील के होने के बाद कई क्षेत्रों में देश को फायदा होगा। इनमें टेक्सटाइल, ज्वेलरी, इंजीनियरिंग सामान एवं ऑटो कंपोनेंट, फार्मास्युटिकल्स, केमिकल और स्पेशल आइटम, ग्रीन एनर्जी, शराब के व्यवसाय पर सीधा असर होगा। आने वाले समय में ब्रिटेन से आने वाली इन चीजों के दामों में गिरावट देखने को मिल सकती है।

भाजपा और आरएसएस की पृष्ठभूमि से होगा उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार, कई नामों पर मंथन जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद नए उपराष्ट्रपति के लिए नामों पर मंथन शुरू हो गया है। उपराष्ट्रपति पद के लिए भाजपा का नया उम्मीदवार पार्टी के कोर काडर या राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पृष्ठभूमि का हो सकता है। पार्टी के अंदर इस बात पर चर्चा है कि अति महत्त्वपूर्ण पदों पर नियुक्ति केवल मूल विचारधारा से जुड़े लोगों की ही की जाए। दूसरे दलों से आए कई नेताओं ने केंद्र सरकार और भाजपा के लिए असहज स्थिति पैदा कर चुके हैं। ऐसे में अब पार्टी महत्त्वपूर्ण पदों पर नियुक्ति करते समय पार्टी की कोर विचारधारा से जुड़े लोगों के नामों पर ही विचार कर सकती है। प्रधानमंत्री के विदेश यात्रा से लौटने के बाद उनकी सहमति से इस पर अंतिम नाम पर मुहर लग सकती है। भाजपा ने हाल में चुनाव जीतने वाले राज्यों में जिस पृष्ठभूमि के उम्मीदवारों पर अंतिम मुहर लगाई है, उसे देखते हुए भी कहा जा सकता है कि पार्टी अब अहम जिम्मेदारियों के लिए केवल मूल विचारधारा से जुड़े नेताओं को ही प्राथमिकता देगी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता अपने छात्र जीवन से एबीवीपी से जुड़ी रही हैं। वे पार्षद होने के साथ-साथ संघ के कार्यों से भी जुड़ी रही हैं। इसी तरह मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी छात्र जीवन से एबीवीपी से जुड़े रहे हैं और कई अहम जिम्मेदारियों को संभाल चुके हैं। भाजपा नेताओं के अनुसार, उपराष्ट्रपति का पद अत्यंत महत्त्वपूर्ण होता है। महत्त्वपूर्ण विधेयकों को राज्यसभा से पारित कराने में उसकी भूमिका अहम होती है। ऐसे में इस पद पर पार्टी के मूल विचारधारा से जुड़े वरिष्ठ और अनुभवी नेता के नाम पर विचार किया जा सकता है। पार्टी में इस समय कई ऐसे नेता हैं जो इस समीकरण पर फिट बैठ सकते हैं। बिहार और पश्चिम बंगाल के आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए इन राज्यों से भी नया उपराष्ट्रपति लाए जाने पर विचार किया जा सकता है। दक्षिण के राज्यों से यह मांग उठने लगी है कि अब नया उपराष्ट्रपति दक्षिण भारत से बनाया जाए। इसी तरह सहयोगी दलों की मांग भी हो सकती है कि सत्ता संतुलन बनाए रखने में उनके नेताओं के नामों पर भी विचार किया जाए।

राजेश कुमार ने सैयारा की स्टार कास्ट को लेकर किया खुलासा, बोले- अहान पांडे अनीत पड्डा नकचढ़े स्टार..

सैयारा फिल्म के अभिनेता राजेश कुमार ने मोहित सूरी की फिल्म में अहान पांडे और अनीत पड्डा के साथ काम करने का अपना अनुभव शेयर किया। इसके साथ ही स्टार कास्ट को लेकर खास बात बताई...

अभिनेता राजेश कुमार, जो 'साराभाई वर्सेस साराभाई' में रोसेश के किरदार के लिए मशहूर हैं। उन्होंने हाल ही में मोहित सूरी की फिल्म 'सैयारा' में अनीत पड्डा के पिता की भूमिका निभाई है। एक इंटरव्यू में राजेश ने अहान पांडे और अनीत पड्डा के साथ काम करने के अपने अनुभव साझा किए।

राजेश ने नए अभिनेताओं को लेकर किया खुलासा

गलता इंडिया को दिए एक हालिया साक्षात्कार में राजेश कुमार ने अनीत पड्डा और अहान पांडे कि तारीफ करते हुए कहा कि वे बहुत मेहनती और जमीन से जुड़े हुए हैं। वह दोनों कभी 'नकचढ़े स्टार' नहीं बनेंगे। राजेश ने यह भी बताया कि अहान अपनी पहली फिल्म 'सैयारा' के पहले शॉट के दौरान बहुत घबराए हुए थे। एक सीन में, जहां अहान को राजेश को एक बैग देना था, उन्होंने दूसरे-तीसरे टेक में शानदार प्रदर्शन किया। शॉट के बाद सभी ने तालियां बजाकर उनका हौसला बढ़ाया, जिससे अहान को आत्मविश्वास मिला।

अहान ने मांगी राजेश से माफी

राजेश ने आगे कहा कि अहान की स्क्रीन प्रेजेंस और हीरोइज्म कमाल का है। एक बार जब डायरेक्टर मोहित सूरी को मनचाहा शॉट नहीं मिला, तो अहान ने राजेश से माफी मांगी, जो उनके समर्पण को दर्शाता है। राजेश ने अनीत और अहान की परवरिश की तारीफ की और कहा कि दोनों अपनी सफलता को सहजता से लेते हैं। उनके अनुसार, नई पीढ़ी के ज्यादातर कलाकार अच्छी तरह तैयार और मेहनती हैं, जो आने वाले 25-30 साल तक इंडस्ट्री में छाए रहेंगे।

'सैयारा'

मोहित सूरी की फिल्म 'सैयारा' एक रोमांटिक म्यूजिकल ड्रामा है, जिसे यशराज फिल्म्स ने बनाया है। यह एक संघर्षशील संगीतकार कृष और महत्वाकांक्षी पत्रकार वाणी बत्रा की प्रेम कहानी है। दोनों की जिंदगी में मुश्किलें आती हैं, लेकिन उनका प्यार एक गहरा रिश्ता बनाता है। फिल्म को दर्शकों और समीक्षकों से खूब तारीफ मिली है और इस फिल्म ने सातवें दिन गुरुवार को अभी तक कुल 154.38 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है।

सरत भरूचा ने इंडस्ट्री पर लगाए इल्जाम, कहा- 'पांच मिनट वॉशरूम इस्तेमाल करने

कई अभिनेत्रियों ने बॉलीवुड इंडस्ट्री पर सैलरी और सुविधाओं को लेकर भेदभाव का इल्जाम लगाया है। अब नुसरत भरूचा ने भी इस पर अपनी राय रखी है। उन्होंने हाल ही में कहा है कि बॉलीवुड इंडस्ट्री में महिलाओं के साथ अलग ही व्यवहार होता है। उनका इल्जाम है कि पुरुषों के लिए सेट पर अच्छा वाशरूम सेट से लेकर अच्छी वैनिटी वैन होती है। हालांकि महिलाओं के लिए सुविधाओं में कमी रहती है।

जितन विकल्प होरो को मिलते हैं हमें नहीं मिलते

नुशरत ने हाल ही में नयनदीप रक्षित के साथ बातचीत में बताया है 'जैसे ही बंदा हिट देता, वह इनसाइडर हो या आउटसाइडर इससे फर्क नहीं पड़ता है। उसे तुरंत पांच फिल्में मिल जाएंगी। हालांकि महिलाओं कों संघर्ष करते रहना पड़ता है। मैं 'प्यार का पंचनामा (2011)' से यह बात बोलती आ रही हूं। बस, आपको मौके की जरूरत होती है। जितने ऑप्शंस हीरो को मिल जाते हैं। उतने हमें नहीं मिलते।'

5 मिनट वॉशरूम इस्तेमाल करने के लिए लेती थी इजाजत

इसी बातचीत में नुसरत ने आगे कहा 'एक वक्त था जब मैं पूछती थी कि क्या पांच मिनट के लिए हीरो की वैनिटी इस्तेमाल कर सकती हूं? वह यहां नहीं है क्या मैं वाशरुम इस्तेमाल कर लू? हालांकि मैं उस वक्त शिकायत नहीं करती थी। मैं खुद से कहती थी कि मैं खुद को ऐसी जगह लाउंगी जहां चीजें अपने आप मिलें।'

बिजनेस क्लास में चलती हैं नुसरत

नुसरत भरूचा ने बताया कि एक बार उन्हें फिल्म में छोटा रोल मिला था। उनके साथी अभिनेता को बिजनेस क्लास की टिकट मिली लेकिन उन्हें इकोनॉमी क्लास की। उनके साथियों ने उन्हें बिजनेस क्लास में बैठने के लिए कहा लेकिन वह नहीं आईं। आज वह बिजनेस क्लास में ही सफर करती हैं।

नुसरत भरूचा का काम

हाल ही में नुसरत भरूचा फिल्म 'छोटी 2' में नजर आई थीं। फिल्म में उनके साथ सोहा अली खान भी थीं। इसके निर्देशक विशाल फुरिया थे। इसके निर्माता भूषण कुमार और कृष्ण कुमार थे। फिल्म को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज किया गया था।

नुसरत भरूचा 'एलएसडी' और 'ड्रीम गर्ल' जैसी फिल्मों मे नजर आ चुकी हैं।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com